सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 53 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 06 दिसंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

रेलमंत्री ने लोकसभा में बताया: धमतरी से कोंडागांव तक नई रेल लाइन के सर्वे को दे दी गई मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टीविटी बढ़ाने पर लगातार काम हो रहा है। इस बीच छत्तीसगढ़ में एक नई रेलवे लाइन के लिए सर्वे को मंजूरी मिल गई है। धमतरी से कोंडागांव तक 183.19 किमी नई रेलवे लाइन के लिए रेल मंत्रालय द्वारा सर्वे को मंजूरी दी गई है। बुधवार को केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने रावघाट परियोजना पर भी लेटेस्ट अपडेट साझा किया।

दरअसल कांकेर सांसद भोजराज नाग ने लोकसभा में प्रश्न रखा कि क्या धमतरी रेलवे लाइन को कांकेर शहर से छत्तीसगढ़ के जादलपुर तक विस्तारित करने का कोई प्रस्ताव है, यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है? सांसद भोजराज नाग के सवाल पर केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपना जवाब सदन में रखा। इस दौरान उन्होंने बताया कि रेल मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के कांकेर जिले में रेल कनेक्टिविटी में सुधार लाने के लिए कदम उठाए हैं। इसके तहत, दल्लीराजहरा-रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन परियोजना (कुल लंबाई 235 किमी) को दो चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है।

- कांकेर सांसद भोजराज नाग ने लोकसभा में रखा था सवाल
- केन्द्रीय मंत्री ने बताया रावघाट-जगदलपुर रेलवे लाइन का भी डीपीआर तैयार

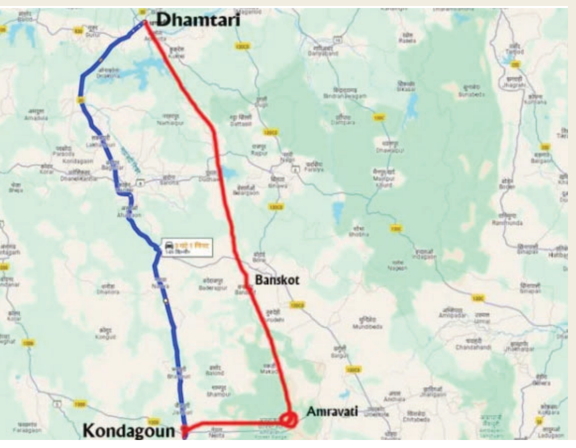

रावघाट परियोजना 77 किमी पूरा

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि दल्लीराजहरा से रावघाट 95 किमी का प्रथम चरण पूर्णता की ओर है। इस चरण में दल्लीराजहरा से ताडोकी तक 77 किमी तक की लाइन चालू कर दी गई है। इस परियोजना पर 31 मार्च 2024 तक कुल ?1,028 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। इसी प्रकार रावघाट से जगदलपुर 140 किमी तक रेलवे लाइन दूसरे चरण में बिछाई जानी है। इसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।

बिछेगी 183.19 किमी रेल लाइन

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसके अतिरिक्त कांकेर जिले की रेल कनेक्टिविटी को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए, धमतरी से कोंडागांव तक 183.19 किमी नई रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है। यह नई लाइन बंस्कोट और अमरावती होते हुए गुजरेगी। इस रेलवे ट्रैक का काम पूरा होने के बाद कांकेर क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही लोगों की आवाजाही को सुगम बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

खास-खबर

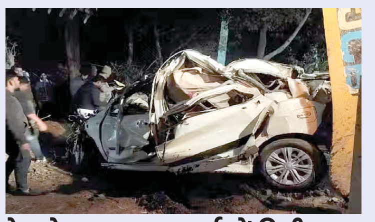

पेड़ से टकराकर खाई में गिरी कार, पांच की मौत और चार घायल बारात से लौट रहे थे सभी

पीलीभीत। बारात से वापस लौट रहे एक परिवार की कार पेड़ से टकराकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और चार घायल है। हादसा गुरुवार देर रात उत्तर प्रदेश के पीलीभीत-टनकपुर हाईवे पर न्यूरिया थाने के करीब हुआ। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने के बाद खाई में पलट गई। हादसा रात करीब 12 बजे हुआ।

मिली जानकारी के मुताबिक उत्तराखंड के खटीमा निवासी कुछ लोग पीलीभीत एक बरात में पहुंचे थे। ये लोग देर रात अर्टिगा कार से वापस लौट रहे थे। कार में कुल 11 लोग सवार थे। रात 12 बजे इनकी कार न्यूरिया थाने के करीब पहुंची। इसी दौरान कार अचानक अनियंत्रित हो गई। कार पहले पेड़ से टकराई, फिर सड़क से खाई में पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही न्यूरिया थाना पुलिस पहुंच गई। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। कार काटकर सभी को बाहर निकाला गया। घायलों को अस्पताल में पहुंचाया गया। अस्पताल में पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं चार घायलों की हालत गंभीर बताई गई है जिनका इलाज चल रहा है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

लोहारीडीह मामले में 23 आरोपी बरी, कोर्ट ने बताया निर्दोष

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित लोहारीडीह मामले में शामिल 23 आरोपी जेल से बाहर आने वाले हैं। ये सभी हत्या, लूट व आगजनी के आरोपी हैं। कोर्ट ने आरोपियों को चार मामले से मुक्त कर दिया है। बीते 14 नवंबर को पुलिस ने न्यायालय में 23 आरोपियों को चार प्रकरण से मुक्त करने आवेदन दिया था, लेकिन निचली अदालत ने पुलिस की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद परिजनों ने अपील की, जिस पर 23 आरोपी को चार प्रकरण से मुक्त कर दिया है। डीएसपी केके चंद्राकर ने बताया कि लोहारीडीह घटना में रेंगाखार जंगल थाना में दर्ज एफआईआर क्रमांक 62, 63, 64, 65 और 66 में 62 को छोड़कर ग्रामीणों ने एक आवेदन आईजी को दिया था। ग्रामीणों का दावा था कि 23 लोग निर्दोष हैं व घटना में शामिल नहीं है। इस मामले में एसआईटी गठित की गई। इस जांच में भी 23 आरोपी के खिलाफ आगजनी, हत्या प्रकरण में सबूत नहीं मिले। इस आधार पर मुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ में कल से बदलेगा मौसम बारिश का है अलर्ट, ठंड भी बढ़ेगी

बस्तर सहित 16 जिलों में होगी बारिश, तापमान भी होगा कम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवंबर के महीने में मिली जुली ठंड के बाद दिसंबर की शुरुआत से फेंगल तूफान के कारण जो बदलाव हुआ अब उसमें विराम लगने वाला है। छत्तीसगढ़ में फिर एक बार मौसम बदलने वाला है। मौसम विज्ञान केन्द्र रायपुर द्वारा शनिवार व रविवार को बारिश का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग ने 8 दिसंबर को 16 जिलों में बारिश के आसार जताए गए हैं। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण बस्तर, कोरिया-मनेंद्रगढ़-चिरमिरी, भरतपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बिलासपुर मुंगेली, रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, बालोद, कबीरधाम, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर, कांकेर और नारायणपुर में बूंदाबांदी हो सकती है।

मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ यानि वेस्टर्न डिस्टर्बेन्स भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी इलाकों में सर्दियों के मौसम में आने वाला तूफान है जो उत्तर, भारत, पाकिस्तान, नेपाल से गुजरते हुए इनके दायरे में आने वाले वायुमंडल की ऊंची तहों में भूमध्य सागर, आंध्र महासागर और कुछ हद तक कैस्पियन सागर से नमी लाता है। जिससे मौसम में बदलाव आता है। इसके कारण छत्तीसगढ़ में सात दिसंबर को एक दो जगह पर हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान सुबह घना कोहरा के साथ बादल छाए रहेंगे। हालांकि प्रदेश की कुछ ही इलाकों में बारिश होने की संभावना है। वहीं शेष भागों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि शुक्रवार को प्रदेश के एक-दो जगह पर हल्की बारिश होने की संभावना है। आगामी दो दिनों मौसम बदलेगा और अधिकतर हिस्सों में वर्षा हो सकती है।

ठंड गायब...दिन में हो रहा गर्मी का अहसास

प्रदेश में बीते कुछ दिनों से ठंड गायब सी हो गई है। सुबह के समय हल्की ठंड के बाद दिन भर पारा चढ़ा रहता है। गुरुवार को भी प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मौसम सामान्य रहा। वहीं शुक्रवार को भी मौसम सामान्य रहने का अनुमान जताया गया है। अगले कुछ दिनों तक यह स्थिति रहने के आसार हैं। तूफान के गुजरने के बाद भी प्रदेश में नमी बनी हुई है। इस वजह से रात के तापमान में गिरावट शुरू नहीं हुई है। गुरुवार को प्रदेश के प्रमुख जिलों में दिन का तापमान 31 से 33 डिग्री तक रहा। दुर्ग जिले में सर्वाधिक 33.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वहीं प्रदेश में सबसे ठंडा अंबिकापुर रहा यहां रात का पारा 9.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। आगामी दो दिनों के दौरान उत्तरी भागों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री गिरावट होने की संभावना है। इसके बाद इन इलाकों में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी।

8 दिसंबर के बाद बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में नमी का क्षेत्र बना है और वहां से आ रही नमी के कारण बस्तर संभाग के जिलों में कल (शनिवार) से पानी बरस सकता है। राजधानी रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर के शहरी क्षेत्रों में एक दो दिन तक तापमान सामान्य रहने की संभावना है। वहीं सरगुजा संभाग के जिलों में मौसम ड्राई रहेगा जिससे न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर जारी रहेगा। वहीं मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि 8 दिसंबर के बाद छत्तीसगढ़ में फिर एक बार ठंड दस्तक देगी और धीरे धीरे कड़ाके की ठंड भी शुरू होगी।

पुष्पा-2 द रूल : पहले दिन की कमाई के सारे रिकार्ड ध्वस्त

इंटरटेनमेंट डेस्क। अल्लु अर्जुन की बहुप्रतिक्षित फिल्म पुष्पा 2 द रूल ने पहले दिन के कलेक्शन के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। निर्देशक सुकुमार ने अपनी सुपरहिट फिल्म पुष्पा का सिक्वल बनाकर कमाल ही कर दिया। लंबे समय से दर्शकों को इस फिल्म का इंतजार था और फिल्म ने रिलीज होने के बाद किसी को निराश नहीं किया। अपनी अदाकारी से अल्लु अर्जुन ने अपने फैन्स को नए साल से पहले मनोरंजन का भरपूर डोज दिया है।

फिल्म 'पुष्पा 2' ने 5 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक दे दी। यह फिल्म 2021 में आई पुष्पा: द राइज का सीक्वल है, जिसमें अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के साथ फहाद फासिल जैसे सितारे मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म को दर्शकों से जबर्दस्त प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। फिल्म की रिलीज के साथ ही 'पुष्पा 2 ' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। पहले दिन फिल्म ने सभी भाषाओं में मिलाकर इस फिल्म ने 165 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। एक दिन पहले स्क्रीनिंग के दौरान भी 10 करोड़ का कलेक्शन किया। इस तरह रिलीज के साथ ही इसने 175 करोड़ का बिजनेस कर लिया है। इसके साथ ही पुष्पा ने कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है।

पहले दिन ही इस फिल्म ने कई साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म ने जवान, 'कल्कि 2898 एडी' और 'देवरा पार्ट-वन' जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया। इस साल रिलीज हुई प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी ने पहले दिन सभी भाषाओं को मिलाकर 95.3 करोड़ रुपए की कमाई की थी। वहीं, देवरा पार्ट वन ने ओपनिंग डे पर 82.5 करोड़ का कारोबार किया था। वही, पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'जवान' ने बॉक्स ऑफिस पर 75 करोड़ का कारोबार किया था। इसके अलावा रणबीर कपूर की 'एनिमल' ने 63.8 करोड़ से अपनी शुरुआत की थी।

रात में नक्सलियों ने सुरक्षा कैंप पर की अंधाधुंध फायरिंग, दो जवान हुए घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने सुरक्षा कैंप पर हमला कर दिया। रात में नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। नक्सलियों की गोलीबारी का जवाब देते दोनों जवान घायल हो गए। कैंप में ही घायल जवानों का इलाज चल रहा है।

बीजापुर जिले के झिड़पल्ली कैम्प दो पर नक्सलियों ने अचानक से हमला कर दिया। इस हमले को देखते हुए जवानों ने कैम्प के अंदर से ही ताबड़तोड़ गोलीबारी की। पुलिस की संयुक्त पार्टी के द्वारा नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाते हुए नक्सलियों को मार गिराया है, बौखलाए नक्सलियों ने 2 दिन पहले बीजापुर जिले के झिड़पल्ली 2 में एक नए कैम्प को खोला गया है, जिसमें सीआरपीएफ डीआईजी सूरजपाल वर्मा व कमांडेट 228 बटालियन लतीफकुमार साहू समेत कई आला

अधिकारियों की टीम मौजूद थी। नक्सलियों को इस बात का पता चलते ही उन्होंने अपनी रणनीति बनाते हुए अचानक से बीती रात कैम्प के अंदर मौजूद जवानों के ऊपर हमला कर दिया। रात भर नक्सलियों और जवानों के बीच रुक रुक कर गोलीबारी होती रही। नक्सलियों ने काफी मात्रा में जवानों के ऊपर फायरिंग की है, जिसके जवाब में जवानों ने भी कोई कसर नही छोड़ी, यह पूरा मामला बीजापुर जिले के पामेड़ थाना क्षेत्र के ग्राम झिड़पल्ली 2 कैम्प का है।

दर्दनाक : सरगुजा में मां ने बेटी को साथ लेकर लगा ली फांसी, शिक्षक पति से विवाद के बाद उठाया खौफनाक कदम

- सरगुजा जिले का मामला, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक महिला ने पति से विवाद के बाद अपनी 6 साल की बच्ची के साथ फांसी लगा ली। मां-बेटी की लाश कुन्नी गांव के स्कूल के पास फंदे पर लटकती मिली है। मृतका पति उसी स्कूल में शिक्षक है और दोनों के बीच तलाक का मामला भी विचाराधीन है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतिका का नाम मीना गुप्ता (35) और बेटी आस्था गुप्ता (6) है। मीना गुप्ता के पति संजय गुप्ता हायर सेकेंडरी स्कूल में पदस्थ हैं। मां-बेटी, संजय गुप्ता से करीब तीन से अलग रह रहे थे। स्कूल

के शिक्षकों ने बताया कि मीना गुप्ता गुरुवार को पति संजय गुप्ता के स्कूल पहुंची थी। मीना गुप्ता ने अपना सामान ससुराल ग्राम झिंकी, बगीचा से लाने के लिए विवाद किया था। शिक्षकों के समझाने के बाद मीना गुप्ता वापस चली गई थी। विवाद के बाद देर रात बेटी के साथ फांसी लगा ली।

शिक्षक संजय गुप्ता का 2017 में गुमगा, लखनपुर निवासी मीना गुप्ता के साथ विवाह हुआ था। 2018 में उनकी बेटी आस्था गुप्ता का जन्म हुआ। दोनों के बीच विवाद बढ़ा तो संजय गुप्ता ने पत्नी से तलाक के लिए 3 साल पहले परिवार न्यायालय में आवेदन दिया। इसके बाद मीना गुप्ता ने संजय गुप्ता सहित परिवारजनों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज करा दिया। तलाक और दहेज प्रताड़ना दोनों प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

मीना गुप्ता पर आरोप है कि वो पति से पैसे मांगती थी, शॉपिंग के लिए दबाव बनाती और मारपीट करती थी। कोर्ट के आदेश पर संजय गुप्ता प्रतिमाह जीवन निर्वाह भत्ता 7 हजार रुपए दे रहे थे। दोनों के लिए संजय गुप्ता ने कुन्नी में घर भी बनवाया था, जिसमें दोनों मां-बेटी रह रहे थे। बेटी का स्कूल और वैन की फीस भी शिक्षक संजय गुप्ता ही दे रहे थे।बेटी के नाम पर सुकन्या योजना के तहत शिक्षक ने खाता भी खुलवाया था। संजय गुप्ता अंबिकापुर में रहकर कुन्नी स्कूल आना-जाना कर रहे थे।

प्री-पेड में दिक्कत नहीं, बस इतना और कर दे सरकार

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लि. बिजली के लिए प्री-पेड सिस्टम लागू कर रही है। इसके लिए रायपुर संभाग में छह लाख मीटर लगाए जा चुके हैं। भारी संख्या में मीटर पहुंच चुके हैं। टाटा कंपनी ने इन मीटरों को लगाने का ठेका लिया है। लक्ष्य दिसम्बर अंत तक सभी घरों में बिजली के प्रीपेड मीटर लगाने का है। मीटर लगाने से भी बड़ी चुनौती बकाया बिलों की वसूली का है। जब तक बकाया वसूल नहीं हो जाता, प्रीपेड का कोई मतलब नहीं। राज्य में बिजली के बकायादारों की संख्या अच्छी खासी है। बकायादारों में सरकारी विभाग भी शामिल हैं। सरकारी विभागों पर बिजली बिल का बकाया 1,438 करोड़ रुपये है। इनमें नगरीय निकायों पर सबसे ज़्यादा 764 करोड़ रुपये का बकाया है। कोरबा सर्किल का बिजली बिल बकाया 286 करोड़ रुपये से ज़्यादा है। इसमें शासकीय विभागों का भी 62 करोड़ रुपये बकाया है। बस्तर संभाग के सातों ज़िलों में बिजली बिल का बकाया एक अरब 77 करोड़ 80 लाख 49 हज़ार रुपये है। फ़िलहाल बकाया राशि जमा करने के लिए 300 दिन का समय दिया जा रहा है। इस अवधि में बकाया बिल को किस्तों में चुकाया जा सकेगा। पर इस का एक और पहलू भी है। बिजली का उपभोक्ता सही मायनों में उपभोक्ता है भी या नहीं, यह अभी तय नहीं है। बिजली कंपनी को पूरा हक है कि वह बिजली बिल बकाया होने पर लाइन काट दे। कंपनी जब चाहे बिजली कटौती करे। इसकी ग्राहक को कोई भरपाई नहीं की जाती। बिजली खरीदने के बाद भी आज शहरी क्षेत्र के लोग इन्वर्टर लगवा रहे हैं। बिजली नहीं होने के कारण लोगों का काम रुक जाता है। आर्थिक क्षति भी होती है। पर इसकी कोई भरपाई बिजली कंपनी नहीं करती। आज जब तकरीबन कार्य बिजली आधारित उपकरणों पर निर्भर है, तब सबसे पहले तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि बिजली की नियमित आपूर्ति हो। यदि बिजली महीने में 10 घंटे भी बंद रहती है तो इसे सेवा में खामी माना जाए और उपभोक्ता को क्षतिपूर्ति दिया जाए। अधिकांश निजी उपभोक्ता बिजली का बिल समय पर पटाते हैं। एक दिन की भी देरी होने पर पेनाल्टी के साथ पैसे पटाते हैं। बिजली घरों को चालू रखने के लिए सरकारें बेशकीमती जंगलों को काट कर कोयला निकाल रही है। जंगलों के कटने का खामियाजा सभी भुगत रहे हैं पर चुप केवल इसलिए हैं कि उन्हें भी बिजली चाहिए। सरकार रोड टैक्स भी पेशगी लेती है पर सड़क देने की गारंटी नहीं करती। अब बिजली बिल पेशगी लेगी पर बिजली देने की गारंटी नहीं करेगी। ऐसे में उपभोक्ता का क्या होगा? बिजली विभाग के लिए बेशक अलग नियम कानून बने हुए हैं पर उपभोक्ता तो उपभोक्ता है। उसके अधिकारों की सुरक्षा यदि नहीं की जा सकी तो उपभोक्ता जागरण के नाम पर प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए की राशि खर्च करने का भी कोई औचित्य नहीं।

संपादकीय

सुगम्य भारत अभियानः सार्वभौमिक सुगमता कार्यान्वयन

सुगमता एक दिव्यांगों के लिए समावेशी दुनिया के निर्माण में पहली आवश्यकता है। पहुँच सुनिश्चित किए बिना, दिव्यांग व्यक्तियों को प्रदान किए गए अन्य सभी अधिकार अर्थहीन हो जाते हैं। दुनिया को दिव्यांगता-समावेशी बनाने के लिए आवश्यक है: (1) जो अतीत की त्रुटियों को सुधारता है और (2) जो भविष्य की योजना बनाता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अतीत की त्रुटियाँ दोहराई नहीं जाती हैं और अतीत की त्रुटियों को सुधारने के लिए, पूर्व में निर्मित दुर्गम वातावरण का नवीनीकरण और पुनर्निर्माण करना और उसे सुलभ बनाना समय की आवश्यकता है।

निर्माण, परिवहन और सूचना एवं संचार के ईकोसिस्टम में प्रदान की गई सुगमता के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों का पूर्ण समावेशन और समान भागीदारी नितांत आवश्यक है। बाधाएँ न केवल उन लोगों के लिए मौजूद हैं जिन्हें जन्म से या जीवन के शुरुआती दौर में दिव्यांगता है, बल्कि बुजुर्गों के लिए भी, जो सुनने, देखने, गतिशीलता या मैनुअल कौशल में कमी का अनुभव कर सकते हैं; और ये कठिनाइयाँ सुलभ बुनियादी ढाँचे की माँग कर सकती हैं। उद्देश्य: सभी नागरिकों, जिसमें बुजुर्ग और दिव्यांग व्यक्ति शामिल हैं, के लिए सार्वभौमिक सुगमता (पहुँच) प्राप्त करने के लिए, भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का एक राष्ट्रव्यापी प्रमुख अभियान, सुगम्य भारत अभियान, 3 दिसंबर, 2015 को शुरू किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य भारत की 15त्न आबादी, जिनमें किसी न किसी प्रकार की दिव्यांगता है, द्वारा सामना की जाने वाली अप्राप्यता को दूर करना है। यह तीन क्षेत्रों पर केंद्रित है: निर्मित पर्यावरण में पहुँच, परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र और सूचना और संचार प्रौद्योगिकियाँ (आईसीटी)। यह देश में सार्वभौमिक पहुँच के कार्यान्वयन को सुगम्य भारत: सशक्त भारत के मिशन के साथ अनिवार्य करता है।

एक्शन: वर्ष 2016 में, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने दिव्यांगता वाले विशेषज्ञों और सुगमता पर काम करने वाले लोगों के साथ एक संचालन समिति का गठन किया और सभी क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से सुगमता कार्यान्वयन के लिए लक्ष्यों और समय-सीमा के साथ एक रणनीति पत्र विकसित किया। विभाग द्वारा आगे की कार्रवाई के लिए सुलभ नहीं होने वाली साइटों और भवनों की जानकारी और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक पोर्टल और ऐप भी विकसित किया गया था। यह अभियान, अधिनियम, 2016 के सुगमता के नियमों दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों के अध्याय VI, पहुँच और धारा 15, के साथ तालमेल बिठाता है। सुगमता ऑडिट, दिशानिर्देशों का विकास, कोड और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यशालाएँ करना अभियान के उद्देश्य को पूरा करने के लिए की गई कुछ गतिविधियाँ हैं।

समारोह: दिनांक 3 दिसंबर, 2024 को अभियान के शुरू होने के 9 वर्षों के बाद, यह दृढ़ता से महसूस किया गया है कि यद्यपि कानून के अनुसार सुगमता अनिवार्य है और अभियान ने जागरूकता बढ़ाई है व हितधारकों और सेवा प्रदाताओं के रवैये को बदल दिया है। हालाँकि, कई अधिकारियों को जीवन के सभी क्षेत्रों में सुगम्य वातावरण को लागू और सुदृढ़ करना बाकी है। इसके लिए, हम सभी को सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय सुगमता मानकों और सार्वभौमिक डिजाइन के सिद्धांतों को अपनाना, लागू करना, निगरानी करना और लागू करना चाहिए, जिससे सभी को लाभ होता है।

भविष्य: इसलिए, सुगम्य भारत अभियान दिव्यांग व्यक्तियों को स्वतंत्र रूप से जीने और जीवन के सभी पहलुओं में पूरी तरह से भाग लेने में सक्षम बनाने के लिए सार्वभौमिक सुगमता को बढ़ाने और कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जनता के लिए खुली/प्रदान की जाने वाली सभी सुविधाओं और सेवाओं के लिए दूसरों के साथ समान आधार पर उनकी समान पहुँच भी सुनिश्चित करेगा।

भागीदारी: समावेशन और सशक्तिकरण में बाधाओं को दूर करने के लिए सुलभ बुनियादी ढाँचा प्रदान करने में निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों दोनों को भूमिका निभानी है। हम व्यवसायों और कॉर्पोरेट संस्थानों, केंद्र और राज्य सरकार, दिव्यांग व्यक्तियों, दिव्यांगों की संस्थाओं (ओपीडी), नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ), गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) और अन्य सभी से हमारे सार्वजनिक और निजी भवनों, परिवहन बुनियादी ढाँचे और डिजिटल दुनिया को जल्द से जल्द सुगम बनाने के लिए हाथ मिलाने का आह्वान करते हैं। यह %किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना और अधिकार को वास्तविक बनाना% की गारंटी देगा।

इंडिया गठबंधन के आगे गंभीर प्रश्न

लोकसभा चुनाव में जो नुकसान हुआ, अब ऐसा लगता है कि अपनी ध्रुवीकरण एवं समीकरण साधने की सियासत से भाजपा ने उसे काफी हद तक संभाल लिया है। इससे इंडिया गठबंधन के आगे अपनी भूमिका तय करने का गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। इंडिया गठबंधन के सामने कठिन प्रश्न हैं। महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से यह सवाल गहरा गया है कि क्या ये गठबंधन बनने के डेढ़ साल बाद भी अपना कोई साझा उद्देश्य तय कर पाया है? हर चुनाव से पहले शामिल दलों के बीच सीटों को लेकर धींगामुश्ती, मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा पेश कर पाने के मुद्दे पर मतभेद और चुनाव अभियान में समन्वय का अभाव आम कहानी बन गया है। गठबंधन बनने के बाद नवंबर-दिसंबर 2023 में जब पहले चुनाव हुए, तो दलों का मनमुटाव खुल कर जाहिर हुआ। लोकसभा चुनाव में जरूर चीजें कुछ संभलती नजर आईं, लेकिन जैसे ही बात हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड की आई, पुरानी खींचतान उभर आई। किसी साझा न्यूनतम कार्यक्रम की जरूरत तो गठबंधन ने आरंभ से ही नहीं समझी।

नरेंद्र मोदी- अमित शाह से मुक्ति की चाहत के अलावा उनके बीच किसी मुद्दे और सहमति की तलाश करना कठिन बना रहा है। ऐसी नकारात्मक राजनीति कभी कारगर नहीं होती। लोकसभा चुनाव में बिजली चमकने जैसी उम्मीद जगी, तो उसके पीछे भी उनके अपने प्रयासों का कम ही योगदान था। अब ऐसा लगता है कि तब जो नुकसान हुआ, अपनी ध्रुवीकरण एवं समीकरण साधने की सियासत से भाजपा ने उसे काफी हद तक संभाल लिया है। इसका बड़ा कारण यह है कि इंडिया गठबंधन यह संदेश देने में नाकाम है कि उसके पास देश के विकास एवं आम जन की बेहतरी का कोई बेहतर एजेंडा है। इसके अभाव में गठबंधन महज सीटों के तालमेल का माध्यम बन कर रह जाता है। इस रूप में कुछ खास परिस्थितियों में यह प्रयास लाभदायक हो सकता है, लेकिन सत्ता पक्ष के लिए कोई गठबंधन कोई निर्णायक चुनौती पेश नहीं कर पाएगा। महाराष्ट्र का चुनाव नतीजा आने के बाद गठबंधन के अंदर की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस आलोचना के केंद्र में आई है, तो उसकी भी ठोस वजहें हैं। बड़ी पार्टी होने का सिर्फ लाभ नहीं होता, बल्कि जिम्मेदारियां भी होती हैं, इसे अब भी कांग्रेस नेतृत्व नहीं समझ पाया, तो पार्टी की भूमिका पर सवाल गहराते जाएंगे। वैसे अपनी-अपनी भूमिका से जुड़ा सवाल गठबंधन में शामिल सभी दलों के सामने है।

(आरएनएस)

नजरिया

कार्बन न्यूट्रीलिटी के पक्ष में महत्वपूर्ण आकांक्षी कमीटमेंट

कॉप -29 पिछले दिनों समाप्त हो गया जिसकी आर्थिकी बहुत कुछ पेट्रोल के उत्पादन पर निर्भर है। इसने कॉप-29 में सारी आलोचनाओं के बीच भी तेल-गैस क्षेत्र का बचाव जारी रखा हुआ है। कॉप-28 भी ऐसे देश में ही हुआ था। दूसरी तरफ, भारत और चीन तथा अमेरिका कोयले को अपने आर्थिक विकास का इंजन बनाए हुए हैं। इसको वो निकट भविष्य में छोड़ने वाले भी नहीं हैं किंतु जलवायु संकट के बीच अधिकांश देशों की ही तरह यह यथार्थ उन्हें स्वीकारना होगा कि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय कारोबारी बिरादरी से अलग-थलग होने से बचने के लिए देर-सबेर उन्हें कार्बन न्यूट्रल होना ही पड़ेगा।

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

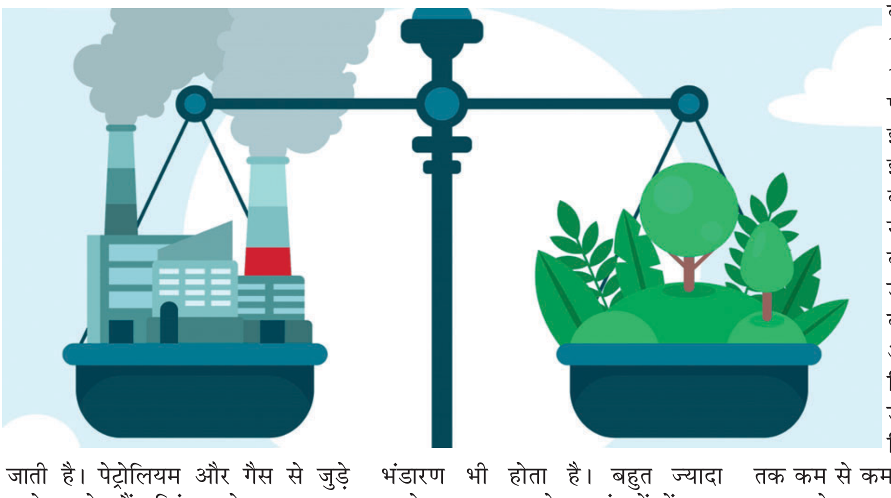

यूरोपियन संघ, जापान, कोरिया गणतंत्र सहित 110 से ज्यादा देशों ने 2050 तक कार्बन न्यूट्रीलिटी पाने की वचनबद्धता व्यक्त की हुई है। चीन 2060 तक ऐसा कर लेगा। भारत 2070 तक ही ऐसा कर पाएगा। यूरोपियन यूनियन तो उन आयातों पर भी कार्बन टैक्स लगाने का सोच रहा है, जिनके निर्माण में थ्रेशहोल्ड वैल्यू से ज्यादा उत्सर्जन होता है। ऐसे में मजबूरन ही सही विभिन्न देश अपने-अपने यहां जीवाश्म ईधन के उपभोग, उपयोग, उत्पादन पर कड़े से कड़े नियम लागू कर रहे हैं।

डिकाबरेनाइजेशन या कार्बनरहित होना इसलिए भी आवश्यक है कि वौंकि तापक्रम बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेलसियस पर ही बांधने की महती जरूरत के बाद भी कोयला समेत फोसिल ईधनों के लगभग निर्बाध उपयोग की छूट सभी चाहते हैं। हालांकि आईपीसीसी का मानना है कि पृथ्वी का गरम होना कुल कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के आनुपातिक होता है। वर्तमान में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सघनता बढ़ती जा रही है। अमेरिका की संस्था एनओएए के अनुसार मई, 2023 में वायुमंडल में मासिक कार्बन डाइऑक्साइड की सघनता रिकार्ड ऊंचाई पर पूर्व औद्योगिककाल की सघनता से पचास प्रतिशत ज्यादा थी। विश्व में 85 प्रतिशत ऊर्जा जीवाश्म ईधनों कोयला, पेट्रोलियम और गैस से प्राप्त की जाती है। पेट्रोलियम और गैस से जुड़े उद्योग तो हैं किंतु लोहा, इस्पात, एल्युमिनियम, सीमेंट, बिजली, हाइड्रोजन, उर्वरक, रसायन के उद्योग भी कार्बन इंटेंसिव हैं। स्टील, सीमेंट, रसायन क्षेत्र के उद्योगों से वायुमंडल में करीब बीस प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड पहुंचता है। बड़ी-बड़ी उत्सर्जन कटौतियों की हर क्षेत्र में आवश्यकता है। कार्बन डाइऑक्साइड को तो वायुमंडल से हटाना ही पड़ेगा परंतु पेड़ों के जिम्मे ही कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने का काम सौंप कर हम जलवायु संकट की व्यापकता और गहनता का सामना नहीं कर सकते। वृक्ष चूंकि कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग फोटोसिंथेसिस और बायोमास बढ़ाने में करते हैं, इसलिए वे वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड हटाने में प्रभावी रहते हैं। इनसे जमीन के भीतर कार्बन भंडारण भी होता है। बहुत ज्यादा बायोमास बढ़ाना पड़ेगा। जंगलों में आग लगने जैसी घटनाएं भी होती हैं। हालांकि बड़ी-बड़ी कंपनियां, एयरलाइंस आदि भी जंगलों से कार्बन कैप्चर का ही सहारा ले रही हैं। अपनी ग्रीनहाउस गैसों के एमिशन को न्यूट्रलाइज करने यानी नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य पाने के लिए इसी का सहारा ले रही हैं।

2023 में संयुक्त राष्ट्र की जलवायु वार्ताओं का नेतृत्व करने के लिए घोषित कॉप-28 के मनोनीत अध्यक्ष यूएई के उद्योग एवं एडवांस टैक्नोलॉजी मंत्री डॉ. सुल्तान-अल-जबेर का बिना लाग लपेट यह कहना रहा कि जलवायु गणित जोडज़ाड़ से कुछ खास नहीं होता, यदि उसमें कार्बन कैप्चर की प्रक्रियाएं शामिल नहीं हैं। वैकल्पिक ऊर्जा के सौर या पवन ऊर्जा के उपयोग भी गर्मी कम करने में कारगर नहीं हो सकते। 11 मई, 2023 को 1500 से ज्यादा वौंकि पॉलिसी निर्माताओं, इंडस्ट्रियल लीडर्स, इनोवेटर्स को यूएई क्लाइमेट टेक कॉन्फ्रेंस में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था : हमें तेजी से उन तकनीकी समाधानों को ढूंढना होगा जो आर्थिकी को डिकाबरेनाइज करें। उत्सर्जनों को आईपीसीसी रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक कम से कम 43 प्रतिशत कम करें।'

बाइडेन प्रशासन ने भी अमेरिका के पावर प्लांटों के ऑपरेटर्स को साफ निर्देश दिया है कि उन्हें उत्सर्जन रोकने के उपाय करने ही होंगे। अमेरिका के जलवायु राजदूत केरी भी चेतावनी भरे लहजे में कह चुके हैं कि समय आ गया है कि ऐसे तेल व गैस उत्पादनकर्ता, जो कहते हैं कि उन्होंने वो तकनीकी महारथ हासिल कर ली है जिससे उनके जीवाम ईंधन निकालने व उसका उपभेग करने में दुनिया की गरम होने की स्थितियां और नहीं बिगड़ेंगी, सिद्ध करें कि ऐसी तकनीकें किफायती दर पर व्यापक स्तर पर उपयोग में लाई जा सकती हैं व तेजी से जलवायु आपदा को टाल भी सकती हैं। वहां लिक्विड नेचुरल गैस के उत्पादक भी दावा कर रहे हैं कि डिकाबरेनाईजेशन तकनीकों में भारी निवेश कर नेचुरल गैस का ज्यादा से ज्यादा उत्पादन करते हुए जीरो ग्रीन हाउस इमिशन तक पहुंचेंगे। अमेरिका में कुल कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में पावर प्लांटों से 31 प्रतिशत का उत्सर्जन होता है।

कार्बन कैप्चर टैक्नोलॉजी के आलोचक मानते हैं कि इसे जलवायु संकट को कम करने के विस्त औजार के रूप में नहीं उपयोग किया जा सकता। यह कार्बन फेजआउट का विकल्प नहीं हो सकती। जीवाश्म ईधनों का उपयोग तो रुकना ही चाहिए। दुनिया को 2050 तक कार्बन न्यूट्रल बनाने की अपरिहार्यता को वक्त-वक्त पर संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव गुटरेस ने दोहराते हुए कहा है कि हर देश, शहर,वित्तीय संस्थान-कंपनी को 2050 तक कार्बन न्यूट्रीलिटी पाने की जरूरत है। नवम्बर, 2020 में उन्होंने सचेत किया था कि गरम होती गैसों का उत्सर्जन कम करने की दौड़ में हम फिनिशिंग लाइन के कहीं भी नजदीक नहीं हैं। हालांकि वे आशावान भी थे कि जो देश वौंकि 65 प्रतिशत से ज्यादा कार्बन उत्सर्जन व प्रतिशत आर्थिकी के लिए जिम्मेदार हैं वे कार्बन न्यूट्रीलिटी के पक्ष में महत्त्वपूर्ण आकांक्षी कमीटमेंट कर लेंगे किंतु जी20 के देशों, जो 80 प्रतिशत से ज्यादा प्रदूषण के जिम्मेदार हैं, को राह दिखानी चाहिए। एक डर तो यही है कि विकसित देशों ने ऐसी तकनीक देने में आनाकानी की तो गरीब और अमीर देशों में जलवायु बदलाव का दंश झेलने की क्षमताओं की खाई और ज्यादा हो जाएगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

विलुप्ति के कगार पर वृक्ष की एक प्रजाति

मुकुल व्यास

दुनिया के जंगल इस समय बड़े दबाव में हैं क्योंकि पेड़ों की कई प्रजातियां लुप्त होने के कगार पर हैं। नए अध्ययन से पता चला है कि पेड़ों की कुछ प्रजातियों को खोने से न केवल स्थानीय वनों को नुकसान होगा, बल्कि इससे समूचे पारिस्थितिकी तंत्र को भी खतरा हो जाएगा। पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र में पेड़ों की विविधता की बहुत बड़ी भूमिका होती है।

विश्व में पेड़ों की स्थिति के बारे में 2021 में किए गए एक वैश्विक मूल्यांकन में पाया गया कि सभी वृक्ष प्रजातियों में से एक-तिहाई के समक्ष इस समय अस्तित्व का संकट है। इसका अर्थ यह है कि लगभग 17,500 दुर्लभ और विशिष्ट वृक्ष प्रजातियां लुप्तप्राय हैं। यह संख्या दुनिया में खतरे में पड़े स्तनधारी जानवरों, पक्षियों, उभयचरों और सरीसृपों की संख्या से दोगुना से भी ज्यादा है। जो पेड़ सबसे ज्यादा संकट में हैं उनमें विराट तटीय रेडवुड और डायनासोर युग के वोलेमी पाइन शामिल हैं। कुछ पेड़ इतने दुर्लभ हैं कि उनकी प्रजाति का केवल एक ही ज्ञात पेड़ बचा है। इनमें मॉरीशस में हियोफ़ोर्ब अमरिकौलिस नामक ताड़ के अकेले वृक्ष का उल्लेख किया जा सकता है।

वर्ष 2022 में एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पेड़ों की क्षति के परिणामों के बारे में 'मानव जाति को चेतावनी' जारी की थी, जिसका समर्थन 20 विभिन्न देशों के 45 अन्य विज्ञानियों ने किया था। बॉटनिक गार्डन कंजर्वेशन इंटरनेशनल के संरक्षण जीव विज्ञानी मालिन रिवर्स और उनके सहयोगियों ने पेड़ों की क्षति से हमारी अर्थव्यवस्थाओं, आजीविका और भोजन पर पड़ने वाले कई प्रभावों को रेखांकित किया है। हमारे अधिकांश फल पेड़ों से आते हैं। पेड़ों से मिलने वाले फलों, मेवों, दवाओं और गैर-लकड़ी उत्पादों का लगभग 88 अरब डॉलर का व्यापार होता है। विकासशील देशों में 88 करोड़ लोग ईंधन के लिए जलाऊ लकड़ी पर निर्भर हैं। दुनिया ने 1.6 अरब लोग जंगल के 5 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। ये लोग भोजन और आय के लिए जंगल पर निर्भर हैं।

कुल मिलाकर पेड़ वैश्विक अर्थव्यवस्था में सालाना लगभग 1300 अरब डॉलर का योगदान करते हैं। फिर भी हम हर साल बड़ी संख्या में पेड़ों को नष्ट कर रहे हैं। पेड़ अपने आप मे एक छोटी दुनिया है, जिसमें सभी प्रकार के एकल और बहुकोशिकीय जीवन रूप पनपते हैं, जिसमें दूसरे पौधे, कवक, बैक्टीरिया और जानवर शामिल हैं। एक पेड़ को खोने से यह पूरी दुनिया भी खत्म हो जाती है। ये पेड़ अक्सर अपने आसपास के जीवन

के लिए सहायक आधार बनाते हैं।

वास्तव में, दुनिया के आधे जानवर और पौधे पेड़ों वाले आवासों पर निर्भर हैं। यदि हम पेड़ों की देखभाल नहीं करते हैं तो हम वहां मौजूद सभी अन्य जीवों की देखभाल भी नहीं कर पाएंगे। पेड़ों की विविधता खोने से जैविक संबंधों का संपूर्ण ताना-बाना कमजोर हो जाता हैं। यदि भिन्नता में कमी आती है तो इम्यून रिस्पॉन्स में कमी आएगी। जीनों में विविधता कम होगी। पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रति प्रतिक्रियाओं में विविधता भी कम होगी। दूसरे शब्दों में, कम विविधता से पृथ्वी पर जीवन के जटिल चक्र को प्रभावित करने वाले खतरों से बचने की संभावना कम हो जाएगी।

कुछ वृक्ष प्रजातियां आसपास की प्रजातियों से परस्पर क्रिया करती हैं और उन्हें अन्य प्रजातियों द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। एक वृक्ष प्रजाति के विलुप्त होने से उसके साथ क्रिया करने वाली हर चीज पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। इनमें पृथ्वी के ओलिगोसीन युग के प्राचीन जंगलों से बचे हुए विशिष्ट ड्रैगन ब्लड वृक्ष (ड्रैकेना सिनाबारी) शामिल हैं, जो कई अन्य प्रजातियों के मेजबान हैं। ये प्रजातियां पूरी तरह से इन वृक्षों पर निर्भर हैं, जिनमें कई अन्य पौधे और उन्हें परागित करने वाले गेको गिरगिट शामिल हैं। ओलिगोसीन युग करीब 3.39 करोड़ वर्ष पहले आरंभ हुआ था जो करीन 2.3 करोड़ वर्ष पहले तक चला था। हमारे घटते जंगलों पर निर्भर रहने वाली प्रजातियां 1970 के बाद से लगभग 53 प्रतिशत कम हो चुकी हैं।

दुनिया भर में और अधिक वन बढ़ते तनाव के संकेत दे रहे हैं। पेड़ पृथ्वी की मिट्टी, वायुमंडल और मौसम के साथ भी मजबूती से जुड़े हुए हैं। वे हमारी हवा को साफ करते हैं, ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं और वर्षा को सुगम बनाते हैं। वे दुनिया के सुलभ मीठे पानी का तीन-चौथाई हिस्से को संगृहीत करते हैं। पेड़ पानी का संग्रह जड़ों, तनों, शाखाओं और पत्तों में करते हैं। पेड़ अपनी पत्तियों में वर्षा जल को रोककर, पानी के बहाव को रोककर, अपनी जड़ों से नदी के किनारों को स्थिर करके वर्षा जल का प्रबंधन करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संघ के अनुसार, एक परिपक्व सदाबहार पेड़ हर साल 15,000 लीटर से अधिक पानी को रोक सकता है। पानी के अलावा पेड़ दुनिया की आधे से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड को भी जमा करते हैं जो आज एक बड़ा सिरदर्द बन गई है। जिन जंगलों में ज्यादा विविधता है वे एक जैसे पेड़ों की तुलना में अधिक कार्बन संगृहीत करते हैं।

बड़ी संख्या में पेड़ खोने से हमारे ग्रह पर कार्बन, पानी और पोषक तत्वों का चक्र अव्यवस्थित हो जाएगा। अनेक पारिस्थितिक कार्यों में पेड़ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे न केवल कार्बन का संग्रह करते हैं, बल्कि जानवरों को भी आवास प्रदान करते हैं। मिट्टी को स्थिर करने के अलावा पेड़ कीटों और बीमारियों, तूफानों और प्रतिकूल मौसम का प्रतिरोध करते हैं। पेड़ों और अन्य वनस्पतियों के नष्ट होने से जलवायु परिवर्तन, रेगिस्तानीकरण, भूक्षरण, बाढ़ और वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि होती है। फसलों का उत्पादन कम होता है। इससे स्थानीय लोगों के लिए कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। वर्षावन के पेड़ जो कुछ प्रजातियों को आश्रय प्रदान करते हैं, एक छतरी का काम करते हैं। पेड़ों की छतरी तापमान को नियंत्रित करती है। वनों की कटाई के परिणामस्वरूप रेगिस्तान की तरह दिन से रात तक तापमान में बहुत अधिक परिवर्तन होता है। यह कई निवासियों के लिए घातक साबित हो सकता है।

नि:संदेह, पेड़ों की विविधता खोने से हम सभी जीवों में विविधता भी खो देंगे। इनमें विभिन्न प्रकार के पक्षी, जानवर, कवक, सूक्ष्म जीव और कीड़े शमिल हैं। कुछ पेड़ प्रजातियां भाग्यशाली हैं। वे हमारे द्वारा किए गए तेज पर्यावरणीय परिवर्तनों का लाभ उठाने में सक्षम हैं। मसलन वे ऐसे क्षेत्र में घुस रही हैं जिसे आग ने साफ कर दिया है। लेकिन कई प्रजातियां इसी प्रक्रिया से नष्ट भी हो रही हैं। पेड़ों के नुकसान का सामूहिक स्तर पर मुकाबला करने के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है, लेकिन इसके लिए हम सभी को पेड़ों के महत्व को समझना होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

पुलिस और जेल व्यवस्था

मुख्य मुद्दा यह है कि ये समस्या पैदा ही क्यों हुई है। स्पष्टतः इसकी जड़ें आपराधिक न्याय प्रक्रिया पर अमल से जुड़ी है। प्रश्न है कि क्या पुलिस और जेल व्यवस्था में बुनियादी सुधार के बिना कोई ठोस व्यावहारिक समाधान निकल सकता है? एलान सचमुच बड़ा है। आशा है कि इसके पीछे इरादा भी नेक होगा। इसके बावजूद जिस भावना से घोषणा हुई है, उसके जमीन पर उतर सकने को लेकर कुछ सवाल मौजूद हैं।

एलान यह है कि ऐसे विचाराधीन कैदियों को रिहा किया जाएगा, जो अपनी संभावित सजा का एक तिहाई हिस्सा काट चुके हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने धीमी न्याय प्रक्रिया से निपटने के लिए नई पहल की घोषणा की। उन्होंने दो-टूक कहा कि छोटे अपराधों के आरोप में बंद ऐसे कैदियों को जमानत दी जाएगी, जिन्होंने अपनी संभावित सजा का एक-तिहाई हिस्सा काट लिया है।

इसके पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले वर्ष संविधान दिवस पर अपने भाषण में जेलों में बढ़ती भीड़ की ओर ध्यान खींचा था। उन्होंने न्याय की ऊंची लागत की समस्या का जिक्र करते हुए शासन की तीनों शाखाओं-कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका से इसका समाधान खोजने की अपील की थी। बहरहाल, कुछ व्यावहारिक सवाल हैं। मुख्य मुद्दा यह है कि ये समस्या पैदा ही क्यों हुई है। स्पष्टत- इसकी जड़ें आपराधिक न्याय प्रक्रिया पर अमल से जुड़ी है।

प्रश्न है कि क्या पुलिस और जेल व्यवस्था में बुनियादी सुधार के बिना कोई ठोस व्यावहारिक समाधान निकल सकता है? फिर मसले का संबंध न्यायपालिका से भी जुड़ता है। न्यायपालिका में जजों की भारी कमी और जमानत के मौजूदा धन-आधारित मॉडल का विकल्प ढूंढे बिना उपरोक्त नेक इरादे को अमली जामा पहना सकना कठिन हो सकता है। दरअसल, आधुनिक न्याय व्यवस्था में जैसाकि कहा जाता है, बेल नियम और जेल अपवाद होना चाहिए। यानी जमानत मिलना सभी मामलों में सामान्य नियम होना चाहिए।

मगर कई ऐसे मामले हैं, जिनमें राजनीतिक मकसदों से व्यक्तियों पर गंभीर इल्जाम मढ़ दिए जाते हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में यह चलन ज्यादा ही बढ़ गया है। ऐसे मामलों का क्या समाधान होगा? यानी समस्या का एक सूत्र सरकार के अपने नजरिए में भी है। कुल नतीजा जेलों में भारी भीड़ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2024 की शुरुआत तक 1,34,799 लोग सुनवाई के इंतजार में जेलों में बंद थे, जिनमें से 11,448 पांच साल से ज्यादा समय से बिना सजा के जेल में हैं।

(आरएनएस)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

खास खबर

पर्यावरण माह के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र में क्विज प्रतियोगिता 'क्वेस्टऑन' का आयोजन

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र में पर्यावरण जागरूकता माह के तहत क्विज प्रतियोगिता 'क्वेस्टऑन' का आयोजन लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर के सभागार में किया गया। क्विज प्रतियोगिता पर्यावरण और ऊर्जा विषय पर केन्द्रित थी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी आर के श्रीवास्तव और विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक पी वी वी एस मूर्ति उपस्थित थे। 19 नवंबर से 18 दिसंबर 2024 तक चलने वाले इस पर्यावरण माह का उद्देश्य कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन में कमी के प्रति जागरूक करना है। फाइनल राउंड में छह टीमों के बीच हुई कड़ी प्रतिस्पर्धा ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मुख्य अतिथि आर के श्रीवास्तव ने विजेताओं को बधाई देते हुए, रोचक क्विज की सराहना की और इसे पर्यावरण संबंधी जागरूकता का एक प्रभावी माध्यम बताया। मुख्य महाप्रबंधक मूर्ति ने भी पर्यावरण जागरूकता पर केन्द्रित क्विज की सराहना की और सभी को पर्यावरण संरक्षण, डीकार्बोनाइजेशन, और ऊर्जा बचत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट करने का आह्वान किया। इस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन पर्यावरण प्रबंधन विभाग, ऊर्जा प्रबंधन विभाग , और एल एंड डी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रतियोगिता में दो सदस्यीय कुल 54 टीमों ने भाग लिया। प्रारंभिक लिखित चरण में पर्यावरण संरक्षण, ग्रीन स्टील, डीकार्बोनाइजेशन, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, नेट–जीरो लक्ष्य, और ऊर्जा दक्षता से जुड़े प्रष्न पूछे गए।

उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर किए बिना सीधे कक्षा में जाने वाले शिक्षकों को समझाइश

रिसाली। समय पर स्कूल आने का दावा कर सीधे क्लास में जाने वाले शिक्षकों को समझाइश दी गई। नगर पालिक निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा ने निगम क्षेत्र के रूआबांधा व रिसाली स्थित शासकीय स्कूल का निरीक्षण की। शिक्षकों द्वारा तैयार डेली डायरी और मध्यान्ह भोजन व्यवस्था को देख आयुक्त ने सुझाव भी दिए। निगम आयुक्त मोनिका वर्मा सबसे पहले पूर्व माध्यमिक विद्यालय रूआबांधा पहुंची। उन्होंने प्रधानपाठक को सीधे उपस्थिति पंजी अवलोकन कराने निर्देश दिए। जांच में खुलासा हुआ कि दो महिला शिक्षक ज्योति शुक्ला और संतोष पवार समय में विद्यालय तो पहुंच गए है किन्तु परीक्षा की वजह से सीधे कक्षा में चले गए। वही सिल्पी सिंह के डेली डायरी अपूर्ण होने पर आयुक्त ने समय पर कार्य करने की समझाईश दी। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने मध्यान्ह भोजन व्यवस्था को देखा। भोजन करने के दौरान बच्चों की आवाजाही से धूल उड़ने पर आयुक्त ने बच्चों को सुरक्षित जगह पर भोजन कराने की सुझाव दी। निगम आयुक्त रूआबांधा स्कूल के बाद रिसाली प्राथमिक शाला का निरीक्षण की। इस दौरान यहा पर प्रधान पाठक के अलावा केवल दो महिला शिक्षक थी। डेली डायरी कम्प्लीट नहीं होने पर निगम आयुक्त ने समय पर कार्य करने के निर्देश दिए।

प्रयास आवासीय विद्यालय में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना दुर्ग शहरी द्वारा आज प्रयास आवासीय विद्यालय में ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ'' कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना दुर्ग शहरी द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चन्द्राकर सहित जनपद सदस्य, स्थानीय पार्षद, अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारीगणों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन शिक्षा विभाग से जिला मिशन समन्वयक सुरेंद्र पांडेय के द्वारा किया गया।

विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर ने अपने वक्तव्य में कहा ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ'' अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनकी शिक्षा एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करना है। आज के इस कार्यक्रम में इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की उपस्थिति यह साबित करती है कि हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं। अपर कलेक्टर अरविंद एक्का ने कहा हम सबको मिलकर बेटियों के अधिकारों की रक्षा करनी होगी। बेटी को जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक हर कदम पर सहयोग देना होगा। बेटियों को केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारे भविष्य के निर्माण की शक्ति समझें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बजरंग दुबे ने ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ'' का उद्देश्य है कि हर बेटी को जीने का अधिकार और समान अवसर मिले। नगर निगम कमिष्नर मोनिका वर्मा ने कहा कि हम सबको मिलकर यह हमारे समाज के लिए गर्व की बात है कि हम सभी 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर यहाँ एकत्रित हुए एवं किशोरी बच्चों काा सम्मान करने का अवसर प्राप्त हुआ। अपर कलेक्टर मुकेश रावटे ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत सभी बालिकाओं को इस अभियान से जोड़कर शिक्षित बनाना हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए। महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय शर्मा के द्वारा 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ' अभियान का उद्देश्य न केवल बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि उन्हें शिक्षित कर समाज में उनका स्थान मजबूत करना भी है। जब एक बेटी शिक्षित होती है, तो वह पूरे परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों को शिक्षित करती है।

जिला पंचायत सदस्य श्रीमती माया बेलचंदन मे अपने वक्तव्य में कहा शिक्षा हर बेटी का अधिकार है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बेटी केवल इसलिए स्कूल न छोड़ दे कि वह लड़की है। हमारी सरकार ने इस दिशा में कई योजनाएं चलाई हैं, जैसे छात्रवृत्ति योजनाएं, लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था, और मुफ्त शिक्षा।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं कार्यक्रम में लगभग 300 किशोरी बच्चियों ने भाग लिया। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ अलौकिक अग्रवाल द्वारा बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन और व्यक्तिगत विकास से संबंधित उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा हमारा विभाग हमेशा बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा, और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रहा है। ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ'' अभियान के माध्यम से हम समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच लाने का प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ'' अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवोदय स्वयंसेवकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही खेल कूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बेटियों, बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बेटियों तथा रंगोली, पोस्टर और मेहंदी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान एवं युवोदय के बच्चियों को स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर प्रणाम पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भिलाई विद्यालय सेक्टर 2 में वार्षिक क्रीड़ा उत्सव सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र इस्पात निर्माण के साथ साथ खिलाडी प्रतिभा को भी आगे बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयासरत रहा है। 02 दिसम्बर 2024 को भिलाई विद्यालय सेक्टर 2, भिलाई में वार्षिक क्रीड़ा उत्सव 2024 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबन्धक उत्पल दत्ता थे। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक शिखा दुबे, ओलम्पियन एवं अर्जुन अवार्डी एवं उप महाप्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद, उप महाप्रबंधक आर के गर्ग, भिलाई विद्यालय के भूतपूर्व प्राचार्य पी एस दुधे, बीएसपी शिक्षा विभाग से विभा रानी कटियार, आर जे राजू, अशोक सिंह, मनीष तिवारी, आर के गुप्ता, डॉ रेखा दिनेश पांडे तथा पालक शिक्षक समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह राजपूत विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि उत्पल दत्ता द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। बेस्ट मार्च पास्ट में होप हाउस एवं बेस्ट हाउस के रूप में चैरिटी हाउस को सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए अपने शुभकामना संदेश में कहा, कि कभी वे भी छात्रों की तरह बैठे होते थे और मंच से अतिथि का भाषण सुनते थे। उन्होंने की आप भी कड़ी मेहनत करें ताकि कल आप भी यहाँ मंच से बोल सके। उन्होंने कहा की पढाई के साथ खेल–कूद जरुरी है, क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। इस अवसर पर उन्होंने प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकों को कार्यक्रम के सफल आयोजन की बधाई दी।

श्रीमती शिखा दुबे ने अपने उद्बोधन में विद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, कि खेलों में भी कैरियर के बहुत अच्छे विकल्प हैं, इसलिए जो छात्र खेल कूद में रूचि रखते हैं, वे कड़ी मेहनत करके उत्कृष्ट प्रदर्शन करें।

इस अवसर पर पुच्प गुच्छ से सभी अतिथियों के स्वागत किया गया। इसके पश्चात, मुख्य अतिथि द्वारा नव निर्मित कृत्रिम जल प्रपात का उद्घाटन किया गया तथा मशाल जलाकर, ध्वजारोहण कर, गुब्बारा छोड़ कर खेल का शुभारंभ किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय खिलाडी (तलवार बाजी) हितेश कुमार साहू द्वारा शपथ दिलाई गई।

सदन प्रभारी निशि शिवप्पा, वंदना सोनवाने, संगीता मिश्रा एवं एन सी सी ऑफिसर गोवर्धन साहू के निर्देशन में सदन वाइस मार्च पास्ट किया गया। शैलेन्द्र भोई एवं सतीश मिश्रा के मार्गदर्शन में शाला की छात्राओं द्वारा अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किया। वंदना सोनवाने, यास्मीन एवं अर्पिता के मार्गदर्शन में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत ड्रिल प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में शाला के प्राचार्य विजय सिंह पवार ने साल भर की क्रिया–कलापों का संक्षिप्त लेखा–जोखा प्रस्तुत करते हुए अपने स्वागत भाषण में कहा कि खेल हमारे मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है, यह हमारी ध्यान क्षमता और मनोयोग्यता को विकसित करता है।

पशु चिकित्सा दल द्वारा काजी हाउस में पशुधन का इलाज जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में दो काजी हाउस संचालित हो रहे हैं। एक डी मार्ट के पास, दूसरा कोसा नाला में दोनों में सैकड़ो आवारा पशुधन रखे गए हैं। डी मार्ट में बछड़े, सांड इत्यादि पकड़ के रखा गया है एवं कोसानाला में गाय भैंसों को रखा गया है। पशुओं के चारे, पानी, इलाज की व्यवस्था निगम प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। बहुत से दुर्घटना से ग्रसित जानवर आपस में लड़कर घायल, बीमारी अवस्था में है, उन्हे लाकर भारती कर दिया जाता है। घायल व बीमार पशुओं को इलाज के लिए आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा उपसंचालक पशु चिकित्सा विभाग को पत्र लिखकर चिकित्सा दल उपलब्ध कराने की मांग की थी। उसी अंतर्गत संचालक पशु चिकित्सा विभाग द्वारा तीन सदस्य डॉक्टरों की टीम गठित की गई है। जो दोनों काजी हाउस में जानवरों का इलाज कर रहे हैं। बीमारी से यदि जानवरों की मृत्यु होगी तो उसका भी पोस्टमार्टम किया जाएगा। जिससे यह ज्ञात हो सके जानवरों की मृत्यु किस कारण से हुई है। पशुओं के चारे के लिए ग्रामीण क्षेत्र से पर्याप्त मात्रा में पैरा, कुट्टी मंगाया गया है। पीने के पानी की व्यवस्था के लिए बोर चालू किया गया है। हरे चारे की व्यवस्था की गई है। जिससे पशुओं को किसी प्रकार का तकलीफ ना हो। चिकित्सा दल को प्रत्येक दिन आकर के शहरी काजी हाउस में जानवरों का इलाज करने का निर्देश मिला हुआ है। वे अपने दायित्वों का संपादित कर रहे हैं, इलाज के दौरान बताया गया कि बहुत से लोग खाने की सामग्री के साथ झिल्ली फेंक देते हैं। जानवर उसे खा लेते हैं।

कृषक उन्नति योजना- महिला किसान कीर्ति तापस ने खेती में किया नवाचार, किसानों के लिए नई दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई कृषक उन्नति योजना ने राज्य के किसानों के जीवन में नई क्रांति ला दी है। विशेष रूप से महिलाओं के लिए यह योजना एक वरदान साबित हो रही है, जो कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ रही हैं।

इस योजना के तहत किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान की खरीदी का लाभ मिल रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। राज्य के चंद्रखुरी गांव की श्रीमती कीर्ति तापस इस योजना के तहत सफलता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। महिला किसान कीर्ति तापस ने पहले सब्जी और केले की खेती की थी, लेकिन इसमें लागत ज्यादा और मुनाफा कम था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदने की योजना शुरू करने के बाद उन्होंने धान की खेती शुरू की, जो अब उन्हें ज्यादा लाभ दे रही है। कीर्ति तापस 7 एकड़ में धान की खेती करती हैं और उनका कहना है कि धान की खेती में मेहनत और लागत बहुत कम है, जबकि मुनाफा दोगुना है। इस बार उनकी खेती से उन्हें अच्छा मुनाफा हुआ है, जिसे वह अपनी स्थिति को और सशक्त और व्यवस्थित करने के लिए उपयोग करेंगी। उनका लक्ष्य खेती में नवाचार करके और अधिक उन्नति प्राप्त करना है।

कृषक उन्नति योजना के तहत खरीफ विपणन वर्ष 2023–24 में राज्य के 24.72 लाख किसानों से 144.92 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। इसके एवज में किसानों को 31,914 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इस योजना के जरिए न केवल धान की खेती को प्रोत्साहन मिला है, बल्कि सब्जी और अन्य फसलों के किसानों को भी धान की ओर आकर्षित किया गया है। कृषक उन्नति योजना ने महिलाओं को कृषि क्षेत्र में एक नई दिशा दी है। कीर्ति तापस जैसे उदाहरण यह सिद्ध करते हैं कि सही मार्गदर्शन और संसाधनों के साथ महिलाएं कृषि क्षेत्र में भी सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच सकती हैं। कृषक उन्नति योजना के जरिए छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि क्षेत्र में एक नया मोड़ आया है। यह योजना किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ–साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी मदद कर रही है। श्रीमती कीर्ति तापस जैसी किसान महिलाओं की सफलता से यह साफ है कि जब महिलाएं और पुरुष समान रूप से कृषि में योगदान देते हैं, तो राज्य की उन्नति की दिशा स्पष्ट होती है।

स्वास्थ्य शिविर में राजहरा माइंस के नागरिकों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का उठाया लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

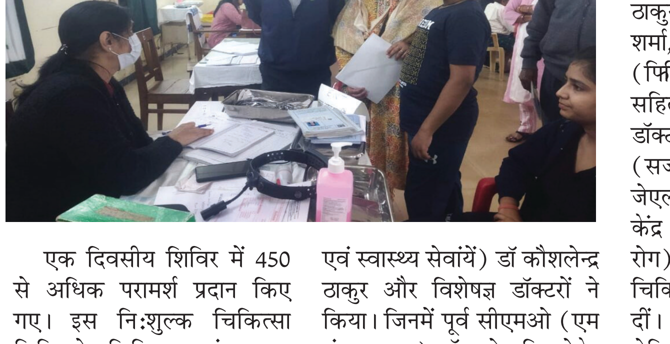

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस अस्पताल में 02 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय नि:शुल्क व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। बीएसपी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें विभाग के वरिष्ठ डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने वनांचल के स्थानीय नागरिकों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान कीं। इस पहल का उद्देश्य विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखभाल और परामर्श के साथ, स्थानीय समुदाय की चिकित्सा संबंधी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु विशेषज्ञों की एक विस्तृत श्रृंखला को सुनिश्चित करना था।

एक दिवसीय शिविर में 450 से अधिक परामर्श प्रदान किए गए। इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर हेतु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें विभाग और जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र की टीम का नेतृत्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें) डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर और विशेषज्ञ डॉक्टरों ने किया। जिनमें पूर्व सीएमओ (एम एंड एचएस) डॉ प्रमोद बिनायेके, (बाल रोग) डॉ सुबोध साहा, (एनेस्थिसियोलॉजी) डॉ तनुजा आनंद, (नेत्र रोग) डॉ चित्रा सुनव, (सर्जरी) डॉ मनीष देवांगन, (हड्डी रोग) डॉ इमैनुअल मैसी, (ईएनटी) डॉ प्राची मेने, (प्रसूति एवं स्त्री रोग) डॉ निशा ठाकुर, (दंत चिकित्सा) डॉ वनिता शर्मा, (जे ओ) सुषमा रोकड़े, (फिजियोथेरेपिस्ट) जया भास्कर सहित डीएनबी सलाहकार डॉक्टरों में (हड्डी रोग) डॉ अक्षय, (सर्जरी) डॉ के लिंगदोह, जेएलएन अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र भिलाई की (प्रसूति एवं स्त्री रोग) डॉ जूही ने एक दिवसीय चिकित्सा शिविर में अपनी सेवाएं दीं। इस अवसर पर राजहरा मेडिकल हॉस्पिटल के वरिष्ठ परामर्शदाता एवं प्रभारी डॉ. मनोज डहरवाल तथा राजहरा माइंस हॉस्पिटल की उनकी टीम भी उपस्थित थी।

07 दिसम्बर से 24 मार्च 2025 तक चलेगा टीबी मुक्त भारत अभियान

दुर्ग। भारत सरकार व्दारा संचालित राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता मे विगत दिनों जिला स्तरीय अंर्तविभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भुमिका वर्मा एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। (टीबी मुक्त भारत अभियान) 07 दिसम्बर से 24 मार्च 2025 तक चलाया जायेगा।

खास खबर...

पाइप लाइन टूटने से सड़कों पर जमा हो रहा था पानी, निगम ने कराया मरम्मत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन से समस्या का निराकरण हो रहा है। मठपुरैना के शिवनगर निवासी संतोष धीवर ने टूटी पाइप लाइन का सुधार कार्य नहीं होने को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि शिवमंदिर रोड के पास पानी सप्लाई की पाइप लाइन एक सप्ताह से टूटी हुई है। जिसके चलते पानी सडक पर भी जमा हो रहा था। जिससे लोगों को आवागमन में भी परेशानी हो रही थी। इसको लेकर निगम में भी शिकयत की थी। लेकिन इसके बाद भी किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई। जिसके बाद इन्होंने कलेक्टोरेट परिसर स्थित जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया। जहां से संबंधित विभाग को मामले की जानकारी दी गई। जिसके तुरंत बाद संबंधित विभाग ने कर्मचारियों ने मौके पर जाकर पाइप लाइन मरम्मत का कार्य किया। आवेदक श्री धीवर ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

दो माह से नहीं मिलने वाली एफआईआर की कॉपी, एक कॉल में मिली

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन से समस्या का निराकरण हो रहा है। जोन 8 के कबीर नगर निवासी प्रेमचंद वर्मा ने दो महीने से एफआईआर की कापी नहीं मिलने को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने बताया मेरे बडे भाई रवि वर्मा का रोड एक्सीडेंट में 5 सिंतबर 2024 को मृत्य हो गया था। एफआईआर कबीर नगर थाने में दर्ज किया गया था। आवेदक के द्वारा एफआईआर कापी मांगने पर थाने के स्टाप उन्हें देने से मना कर रहे थे। दो माह से ज्यादा का समय व्यतीत हो जाने से परिजन लगातार परेशान हो रहे थे। जिसके बाद मृतक के छोटे भाई ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया। जिसके बाद थाने को मामले की जानकारी दी गई। जिसके तुरंत बाद संबंधित थाने के स्टाप ने मृतक के परिजनों को बुलाकर एफआईआर की कापी दी। जिसके बाद परिजनों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

रायपुर जिले में 14 हजार 218 टन धान की हुई खरीदी, 386 करोड़ 57 लाख भुगतान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश में जिले के किसानों को समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जा रही है। जिले में आज 14 हजार 218 टन धान की खरीदी की गई। जिले में आज 3 हजार 275 किसानों से 32 करोड़ 71 लाख रूपये धान की खरीदी हुई। इस प्रकार अब तक 139 उपार्जन केन्द्रों में 39 हजार 617 किसानों से 01 लाख 67 हजार 972 टन धान की खरीदी हुई है। इन किसानो से अब तक 386 करोड़ 57 लाख रूपये की धान की खरीदी की गई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर धान केन्द्रों में किसानों को आवश्यक सुविधाएं भी प्रदान की जा रही है। जिससे किसानों में धान बेचने को लेकर उत्साह है।

स्मार्ट सिटी में 24 घंटे जलापूर्ति के प्रथम चरण का शुभारंभ जल्द:आयुक्त

प्रथम चरण में मोतीबाग पानी टंकी के कमांड एरिया क्षेत्र से 4 वार्ड में होगी 24 घंटे जलापूर्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत चिन्हित एरिया बेस्ड डेवलपमेंट (ए.बी.डी) एरिया में निवासरत 4 वार्ड के हजारों परिवारों को दिसंबर माह के दूसरे सप्ताह के अंत तक अपने घरों में 24 घंटे पानी मिलेगा। रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के प्रबंध संचालक अबिनाश मिश्रा ने नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के साथ मोतीबाग पानी टंकी के कमांड एरिया से जुडें क्षेत्रों का दौरा किया जहाँ इस महत्वाकांक्षी परियोजना के प्रथम चरण की शुरुआत हो रही है। इस दौरान श्री मिश्रा मकान मालिकों और निवासरत किरायेदारों से भी मिलकर उनसे कहा है कि घरों तक पहुंचें नल कनेक्शन को भीतर तत्काल जोड़ लें, जिससे पानी का अपव्यय न हो। उपयोग न करने की दशा में घरों के बाहर स्थापित कनेक्शन के नॉब को बंद रखने का सुझाव भी उन्होंने इस दौरान निवासियों को दिया है।

प्रबंध संचालक श्री मिश्रा ने एबीडी एरिया के घरों तक 24 घंटे जलापूर्ति योजना से जुड़े अधिकारियों के साथ दौरा कर पूरी प्रक्रिया की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य परिचालन अधिकारी उज्जवल पोरवाल सहित महाप्रबंधक (तकनीकी) पीके पंचायती, इस परियोजना के प्रभारी बद्री चंद्राकर, सहायक अभियंता अंशुल शर्मा, प्रबंधक योगेंद्र साहू, उप अभियंता शैलेन्द्र पटेल भी साथ थे। रायपुर स्मार्ट सिटी लि. द्वारा लगभग 159 करोड रूपये की लागत से ए.बी.डी एरिया में 24 घंटे जलापूर्ति हेतु तैयार की गई इस महत्वपूर्ण योजना के प्रथम चरण की शुरुआत दिसंबर माह के दूसरे सप्ताह के अंत में हो रही है, इसके तहत मोतीबाग पानी टंकी के कमांड एरिया के 4 वार्ड ब्राम्हणपारा, कालीबाड़ी, सिविल लाइंस, महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड के पांच हजार घरों में 24 घंटे पानी की आपूर्ति शुरू होगी। द्वितिय चरण में गंज कमाण्ड एरिया के 5 और मोती बाग कमाण्ड एरिया के अतिशेष 6 वार्ड को इस योजना से जोड़कर जलापूर्ति की जाएगी। इस तरह प्रथम चरण में मोती बाग से जुड़े चार डीएमए में 24 घंटे और शेष 6 डीएमए में अभी सामान्य जल आपूर्ति होगी।

परियोजना में इलेक्ट्रोमेग्नेटिक फ्लो मीटर लगाए गए हैं, जिससे न केवल प्रवाहित किये जा रहे जलापूर्ति की निगरानी होगी बल्कि अवैध नल कनेक्शन खींचना या टुल्लू पंप से अधिक पानी खींचना अब संभव नहीं होगा। टुल्लू पंप लगाने से पानी की मात्रा में वृद्धि नहीं होगी एवं घरों पर लगे फ्लो वाल्व से निर्धारित 5 लीटर प्रति मिनट के मान से ही जलापूर्ति होगी। अत: भू-स्वामियों से कहा गया है कि जल कनेक्शन पर टुल्लू पंप न लगाएं। इससे flow कंट्रोल valve automatically बंद हो जायेंगे।

एमडी श्री मिश्रा ने मकान मालिकों व निवासरत किरायेदारों से भी बात की। उन्होंने कहा कि हर घर में पूर्णकालिक जल आपूर्ति शीघ्र शुरू होने जा रही है इसलिए सभी मकान मालिकों की जिम्मेदारी है कि जल का अपव्यय न होने दें, नई पाइपलाइन से घरों तक पहुंचाये गए नल कनेक्शन को अपने घर के उचित स्थान तक तत्काल जोड़ लें, साथ ही उपयोग न किये जाने की दशा में घर के बाहर लगाये गए कनेक्शन में दिये गए नॉब को बंद रखकर पानी को व्यर्थ बहने से रोकें। अगले चार दिनों तक इन चारों वार्ड में सुबह शाम trial run किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकों की सुविधा हेतु 24 घंटे जलापूर्ति की योजना तैयार की गई है।

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने सफाई, पेयजल, सड़क बत्ती के कार्यों को प्राथमिकता देने दिए निर्देश

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में साप्ताहिक टीएल बैठक में कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। आयुक्त ने सफाई, पेयजल, सड़क बत्ती से सम्बंधित कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए है। आयुक्त ने अधिकारियों को नवीन विकासकार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण की सूची तैयार करने निर्देशित किया है। आयुक्त ने विकास कार्यों में समयसीमा एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने जोन कमिश्नरों को प्रतिदिन सतत मॉनिटरिंग कर रायपुर शहर की सफाई व्यवस्था को राजधानी के अनुरूप बनाने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों को पुख्ता तौर पर करवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया है।

अब बाघों की हिफाजत करेगा स्निफर डॉग

वन्य प्रेमी नितिन सिंघवी के सुझाव पर अमल करेगा वन विभाग, जारी हुआ पत्र

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या लगातार कम हो रही है। आये दिन बाघों की मौत और शिकार की घटनाएं सामने आ रही है। अब वन विभाग बाघों की सुरक्षा करने के लिए स्निफर डॉग की तैनाती करने जा रहा है। वन्यजीव प्रेमी नितिन सिंघवी के सुझाव पर वन विभाग ने ये फैसला लिया है। जिसके तहत प्रत्येक वृत्त स्तर पर एक-एक डॉग स्क्वाड की स्थापना होगी।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने इस मामले में सभी मुख्य वन संरक्षक, वन संरक्षक, समस्त संचालक, सभी डीएफओ और उप निदेशक टाइगर रिजर्व को पत्र जारी कर 1 सप्ताह के भीतर प्रस्ताव मांगा है, ताकि WWF इंडिया को प्रस्ताव भेजा जा सके और डॉक स्क्वाड गठन करने की दिशा में कुत्तों का प्रशिक्षण कराया जा सके।

दरअसल 18 अप्रैल को बाघों की सुरक्षा के संबंध में वन विभाग एवं एनटीसीए के अधिकारियों व स्थानीय एनजीओ व विशेषज्ञों की उपस्थिति में एक बैठक हुई थी। इस बैठक में वन्यजीव प्रेमी नीतिन सिंघवी ने भी शिरकत की थी। इस मौके पर सिंघवी ने बाघों की सुरक्षा के लिए डॉग स्क्वाड का गठन करने का सुझाव किया था, जिस पर वन विभाग की टीम ने गंभीरता पूर्वक विचार किया और अब उस पर अमल करने की तैयारी में हैं।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने कहा है कि किसी योजना और सुझाव के लिए अगर बजट की जरूरत है, उसका प्राक्लन मांग पत्र के साथ भेजें। साथ ही वनों व वन्यप्रेमियों से संबंधित वन अपराध के प्रकरणों में अपराधियों को पकड़ने में सहायता के लिए प्रत्येक वृत स्तर पर एक-एक डॉग स्क्वाड की स्थापना के लिए विस्तृत प्रस्ताव सात दिन के भीतर भेजना सुनिश्चित करें।

सिम्बा और नेरो छत्तीसगढ़ वन विभाग के पहले sniffer डॉग्स

सिम्बा बेल्जियम मैलिनाइस ब्रीड और नेरो जर्मन शेफ़र्ड ब्रीड को बी.एस.एफ अकादिमी ग्वालियर से 10 माह की ट्रेनिंग दिलवाकर october 2016 में अचानकमार टाइगर रिज़र्व लाया गया था, तब उनकी उम्र लगभग 2 से 2.5 वर्ष की थी। 7 साल की सेवा के बाद दोनों मार्च-अप्रैल 2023 में रिटायर हो गए। इस बीच पूरे प्रदेश में अलग-अलग जगहों में दोनों ने सेकड़ों अपराधियों तक पहुचने में वन विभाग की मदद की। यहाँ तक की हत्या और चोरी के 10 से ज्यादा प्रकरणों में अपराधियों तक पहुचने के लिए पोलिस ने भी दोनों से मदद ली।

रिटायरमेंट के बाद वो अपने हेन्डलर के साथ रहे 14 जुलाई 2024 को सिम्बा और अगस्त 2024 को नेरो ने अंतिम सांस ली।नितिन सिंघवी ने मांग की थी कि sniffer डॉग्स को भी रिटायरमेंट के बाद पेंशन दी जाये ताकि उनके खाने दवाई का खर्च की व्यवस्था में कोई कमी न हो इस पर वन विभाग ने सहमति दे कर 18 अप्रैल 2024 की बैठक में मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) बिलासपुर को प्रस्ताव भेजने के लिए आदेशित किया था। बैठक में नितिन सिंघवी ने वन्यजीवों का शिकार और अपराध रोकने के लिए हर राष्ट्रीय उद्यान, टाइगर रिजर्व, वन्य प्राणी अभ्यारण सहित वन विभाग के हर वृत में sniffer डॉग्स स्क्वायड की स्थापना का सुझाव दिया था।

अभी छत्तीसगढ़ में वन विभाग के चार स्निफर

अभी छत्तीसगढ में वन विभाग के चार स्निफर हैं। ये सभी अलग-अलग जिलों में अलग-अलग ड्यूटी में तैनात हैं। कांकेर में रोजी जर्मन शेफर्ड नस्ल का कुत्ता है। वहीं जंगल सफारी में वीरा नाम का जर्मन शेप ड डॉग है। जबकि गोमर्दा में जूली और जेस्सी नाम की बेल्जियम शेफर्ड नस्ल की डॉग है।

पारदर्शिता, निष्पक्षता व बेहतर प्रबंधन से कराएं चुनाव : कलेक्टर सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने गुरुवार को कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में नगर पालिका एवं पंचायत निर्वाचन 2024-25 की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली। निर्वाचन कार्य के लिए रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। बैठक में रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, नगरीय निकाय के लिए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने स्थानीय निर्वाचन की समीक्षा के दौरान कहा कि नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन में सावधानियां बरतने के साथ गंभीरता बरतना बहुत ही आवश्यक है।

कलेक्टर ने कहा कि रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर दायित्व का निर्वहन बेहतर तरीके से करें। निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण बेहतर तरीके से लें। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि निर्वाचन ड्यूटी के दौरान प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ निर्वाचन कराएं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि निर्वाचन ड्यूटी में संलग्न अधिकारी बूथ का निरीक्षण करें। मतदान केंद्र में बिजली, पानी एवं बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि निर्वाचन कार्य के दौरान प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी सरलता एवं सहज व्यवहार रखें।

इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे समेत रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि विश्वविद्यालय में मनाया विश्व मृदा दिवस

मिट्टी की देखभाल, मापन और प्रबंधन पर किसानों को दी गई जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग तथा कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा गुरुवार को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा है कि मिट्टी हमारी कृषि, भोजन और जलवायु संतुलन के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। स्वस्थ मिट्टी से स्वस्थ फसल तैयार होती है और स्वस्थ फसल से मनुष्यों का स्वास्थ अच्छा रहता है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में मिट्टी के घटते स्वास्थय के कारण पर्यावरण असंतुलन, जैव विविधता में कमी और कृषि उत्पादकता में गिरावट जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए मिट्टी की देखभाल तथा उचित प्रबंधन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने खेतों में जीवांश पदार्थों के संतुलित उपयोग पर जोर दिया। इस सौरन उन्होंने किसानों को जवाहर नवोदय विद्यालय, माना एवं केन्द्रीय विद्यालय, रायपुर के छात्रों द्वारा तैयार उनके खेतों के मृदा स्वास्थय कार्ड भी प्रदान किये।

इस अवसर पर ''मिट्टी की देखभाल - मापन, निगरानी तथा प्रबंधन'' विषय पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया जिसमें मृदा वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को मिट्टी की समुचित देखभाल तथा मृदा ऊर्वरता प्रबंधन पर जानकारी दी गई। संगोष्ठी में बताया गया कि कृषि में मिट्टी के महत्व तथा उसकी गुणवत्ता में आ रही खराबी को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2013 से 5 दिसम्बर के दिन विश्व मृदा दिवस मनाया जा रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया कि भारत की 30 प्रतिशत मिट्टी प्रदूषण एवं उर्वरता की कमी से प्रभावित है। पिछले दो दशकों में मिट्टी में जैविक कार्बन का स्तर 23 प्रतिशत तक घटा है, और 40 प्रतिशत कृषि भूमि में पोषक तत्वों की गंभीर कमी देखी गई है। बताया गया कि वर्ष 2050 तक भारत की जनसंख्या 1.7 अरब होने का अनुमान है। जिससे खाद्यान की मांग 330 मिलियन टन से बढ़कर 350 मिलियन टन हो जाएगी। इस मांग को पूरा करने के लिए मिट्टी के स्वास्थ और मृदा ऊर्वरता को बनाये रखना आवश्यक है। संगोष्ठी में वैज्ञानिकों द्वारा खेतों में जीवांश कार्बन का अधिक उपयोग, ऊर्वरकों का संतुलित उपयोग, प्राकृतिक खेती तथा फसल चक्र परिवर्तन की सलाह दी गई। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. दास, संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा, मृदा विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एल.के. श्रीवास्तव, कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. गौतम राय, इफ्को के अधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी, किसान व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रशासन पहुंच रही है आपके द्वार : विधायक अनुज शर्मा

शिविर के माध्यम से समस्याओं का त्वरित निराकरण पहली प्राथमिकता : कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धरसींवा ब्लॉक के मांढर ग्राम पंचायत में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विधायक अनुज शर्मा एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप उपस्थित थे। इस दौरान 200 आवेदनों का निराकरण किया गया.

शिविर को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में प्रशासन आपके द्वार तक पहुंच रहा है। जहां पर आम नागरिकों के समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से विभागों के स्टॉल लगाए गए और वहां पर समस्याओं का निराकरण भी तुंरत किया जा रहा है। जिला प्रशासन की टीम की पहुंच हर गांवों तक हो गई है। जहां पर समस्याओं का निराकरण करने में परेशानियां नहीं हो रही है। विधायक श्री शर्मा ने कहा कि अवैध शराब, अवैध प्लाटिंग पर कड़ी कार्रवाई जाएं।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि पहले की अपेक्षा राजस्व मामले में कमी आई है। 90 से 95 प्रतिशत तक राजस्व मामलों का निपटारा किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन के माध्यम से जनसमस्या कॉल सेंटर का संचालन किया जा रहा है। जहां पर 24 घंटे कॉल सेंटर का संचालन किया जाता है। जिले में कोई भी समस्या होने पर कोई भी व्यक्ति किसी भी समय में कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। इसी तरह जनदर्शन के माध्यम से भी अपनी समस्याओं का शिकायत करा सकते है।

इस शिविर के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत श्री भूषण लाल साहू, भूषण राव कोटे, अंगेश्वर साहू, ढेला बह साहू, महेश कुम्भकार, संतोषी देवांगन, शिव कुमार साहू, मारूती देवांगन, जीवन लाल साहू, मिलेष तारक, अनुसुईया वर्मा, शलैन्द्री धीवर को आवास की चॉबी का वितरण किया गया। किसानों को बीज का वितरण किया गया। विधायक ने बच्चों का अन्नप्रासन भी किया।

तुर्की के अंडों का आनंद लेती नजर आई हाय नन्ना स्टार मृणाल ठाकुर

सीता रामम, हाय नन्ना, जर्सी, पिप्पा और द फैमिली स्टार में अपने अभिनय से लोगों का दिल जीतने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक तस्वीर शेयर की है, इसमें उन्हें खाने का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है।

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'सीता रामम' स्टार ने ब्रेड के साथ तुर्की अंडे की प्लेटेड डिश की तस्वीर शेयर की। तुर्की से आने वाली इस डिश में उबले हुए अंडे को क्रीमी दही के ऊपर परोसा जाता है और ऊपर से पिघला हुआ मक्खन डाला जाता है, जिसे अक्सर डिल या अजमोद के साथ सर्व किया जाता है।

जर्सी की अभिनेत्री ने पहले भावनाओं के बारे में नहीं, बल्कि उड़ान पकड़ने के बारे में एक पोस्ट शेयर की थी। रविवार को अभिनेत्री ने अपनी कई तस्वीरों के साथ एक पोस्ट शेयर की। इन तस्वीरों में उन्हें मजेदार पोज के साथ देखा जा सकता है।

मृणाल ने पोस्ट को कैप्शन दिया, उड़ान पकड़ना, भावनाएं नहीं। तस्वीरों में अभिनेत्री को हेडफोन के साथ देखा जा सकता है। मृणाल ठाकुर के करियर पर

एक नजर डालें तो उन्होंने 2012 में टीवी शो मुझसे कुछ कहती है.. ये खामोशियां से अपने अभिनय की शुरुआत की। वह अर्जुन और कुमकुम भाग्य जैसे शो में यादगार भूमिकाओं के साथ उन्होंने जल्द ही लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई। फिल्मों की ओर रुख करते हुए मृणाल ने ऋतिक रोशन की सुपर 30, बाटला हाउस, धमाका और सीता रामम जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया। उन्होंने प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दीपिका पादुकोण के साथ साइंस फिक्शन कल्कि 2898 ई.डी. में अपनी भूमिका से भी सुर्खियां बटोरी।

इस साल की शुरुआत में मृणाल को उत्तराखंड में सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ एक रोमांटिक फिल्म की शूटिंग करते हुए देखा गया था। अभिनेत्री के पास कई हाई-प्रोफाइल फिल्में हैं। वह अजय देवगन के साथ विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित सन ऑफ सरदार और डेविड धवन द्वारा निर्देशित वरुण धवन के साथ एक कॉमेडी फिल्म में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा वह अपकमिंग पूजा मेरी जान में भी दिखाई देंगी।

ऋतिक रोशन के खानदान पर नेटफ्लिक्स ने किया द रोशंस सीरीज का एलान

रोशन, राकेश रोशन, राजेश रोशन और अब ऋतिक रोशन बॉलीवुड में रोशन खानदान की नींव बरकरार रखे हुए हैं। ऋतिक रोशन के दादा रोशन एक शानदार संगीतकार थे और ऋतिक रोशन के चाचा राजेश रोशन को पिता से संगीत विरासत में मिला था। वहीं, राकेश रोशन ने बतौर डायरेक्टर फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाया और अब ऋतिक रोशन बतौर एक्टर दुनियाभर के फैंस पर राज कर रहे हैं। अब बॉलीवुड के इस हिट रोशन परिवार पर नेटफ्लिक्स ने एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज द रोशंस का एलान किया है। ओटीटी के अग्रणी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने इसका ऑफिशियली एलान कर सीरीज का पोस्टर जारी किया है।

वहीं, रोशन परिवार की इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज का टाइटल द रोशंस है। नेटफ्लिक्स ने बताया है कि द रोशंस जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। नेटफ्लिक्स ने अपने ऑफिशियल पेज पर बताया है कि डॉक्यूमेंट्री सीरीज द रोशंस फिल्म इंडस्ट्री के इस सक्सेस परिवार की कला की विरासत और पीढ़ी दर पीढ़ी इसे कैसे बढ़ाया गया है, इसमें दिखाया जाएगा। यह पहली बार है जब सिनेप्रेमियों को रोशन परिवार को नजदीक से जानने का मौका मिलेगा। साथ ही रोशन परिवार का हिंदी सिनेमा में क्या योगदान रहा है इस पर भी पर्दा हटने जा रहा है।

बता दें, द रोशंस सीरीज की शुरुआत दिवंगत रोशन लाल नागरथ की संगीतमयी दुनिया से होगा, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में संगीत की कला को नए आयाम दिए। वहीं, सीरीज में रोशन परिवार के अचीवमेंट के बारे में भी देखने को मिलेगा। राकेश रोशन, राजेश रोशन और ऋतिक रोशन का हिंदी सिनेमा में योगदान भी अब लोगों के बीच आने वाला है।

बता दें, राकेश रोशन सीरीज द रोशंस के प्रोड्यूसर हैं और वहीं शशि रंजन को-प्रोड्यूसर होने के साथ-साथ इसके डायरेक्ट भी हैं। शशि रंजन ने अपना अनुभव शेयर कर बताया है, इस सीरीज को डायरेक्ट करना मेरे लिए एक सम्मानजनक जर्नी रही है, मैं खुश हूं कि मुझे रोशन परिवार की विरासत से जुड़ने का मौका मिला, मैं इसके लिए रोशन परिवार का आभारी हूं, यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है कि मैं रोशन परिवार की क्रिएटिविटी, उनके साहस, कमिटमेंट की कहानी को दुनिया को दिखाने जा रहा हूं।

वहीं, नेटफ्लिक्स इंडिया की वाइस प्रेजिडेंट कंटेंट मोनिका शेरगिल ने कहा, हमें इस बात को बताते हुए बहुत खुशी है कि हम एक ऐसे परिवार की कहानी और जीवनी को सामने ला रहे हैं, जिसने सिनेप्रेमियों की कई पीढ़ियों के दिलों में जगह बनाई, द रोशंस सीरीज दिल से जुड़ी सीरीज है, जो एक इमोशनल सफर के महसूस कराने का दावा करता है।

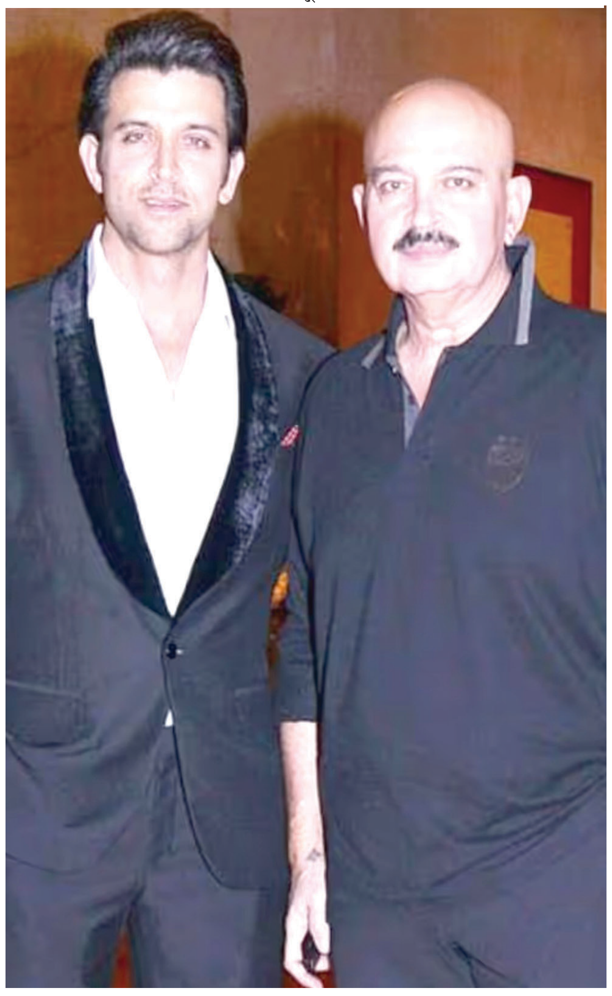

मोनालिसा ने अनारकली सूट पहन कैमरे के सामने दिखाई कातिल अदाएं

भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन मोनालिसा अक्सर अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही कहर बरपाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

टीवी और भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन मोनालिसा हमेशा अपनी हॉटनेस से इंस्टाग्राम पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी सिजलिंग और हॉट अदाएं देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ग्रीन कलर का अनारकली सूट पहना हुआ था, जिसमें वो सिजलिंग अंदाज में कहर बरपाती हुई नजर आ रही हैं।

माथे पर लाल बिंदी, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने मोनालिसा ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स करते हुए दिलखोलकर अपना प्यार लूटाते हैं। मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं।

जिम में एक्सरसाइज करने के लिए महिलाओं को चुननी चाहिए ये चीजें

जिम जाना आजकल हर किसी की दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। खासकर भारतीय महिलाएं भी अब फिटनेस पर ध्यान देने लगी हैं। जिम में सही कपड़े पहनना भी उतना ही जरूरी है जितना कि एक्सरसाइज करना। सही जिम वियर न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपके प्रदर्शन को भी बेहतर बनाता है। आइए कुछ ऐसे जरूरी चीजों के बारे में जानते हैं, जो जिम जाने वाली हर महिला के पास होने चाहिए।

ओवरसाइज टी-शर्ट

जिम में पसीने से बचने और आरामदायक महसूस करने के लिए सूती या ओवरसाइज टी-शर्ट सबसे अच्छा विकल्प होती हैं। ये टी-शर्ट्स आपकी त्वचा को हवा लगने देती हैं और पसीने को जल्दी सूखाती हैं, जिससे आप ताजगी महसूस करती हैं। इसके अलावा ढीली फिटिंग वाली टी-शर्ट्स आपको एक्सरसाइज करते समय पूरी तरह से मूवमेंट करने की आजादी देती हैं और किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाती हैं।

लेगिंग्स

लेगिंग्स जिम वियर का अहम हिस्सा होती हैं क्योंकि ये न केवल स्टाइलिश दिखती हैं बल्कि बहुत ही लचीली होती हैं। अच्छे क्वालिटी की लेगिंग्स त्वचा को हवा लगने देती हैं और पसीने को जल्दी सूखाती हैं, जिससे आप पूरे समय आरामदायक महसूस करती रहती हैं।

इसके अलावा ये लेगिंग्स आपके मूवमेंट को भी आसान बनाती हैं, जिससे आप बिना किसी परेशानी के अपनी एक्सरसाइज कर सकती हैं।

अच्छे क्वालिटी के शूज

जिम में सही शूज पहनना जरूरी है क्योंकि ये आपके पैरों को पूरा सपोर्ट देते हैं और चोटों से बचाते हैं। हल्के वजन वाले शूज, जिनमें अच्छी ग्रिप हो, वे सबसे अच्छे होते हैं क्योंकि वे आपको स्थिरता प्रदान करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करते हैं। इसके अलावा सही शूज आपके पैरों को आरामदायक रखते हैं और लंबे समय तक एक्सरसाइज करने में सहायता करते हैं।

हेडरबैंड या बालों का बैंड

जिम में बालों का व्यवस्थित रहना भी जरूरी है ताकि वे आपके चेहरे पर न आएं और आपको परेशान न करें। हेडरबैंड या बालों का बैंड इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। ये आपके बालों को पीछे रखते हुए आपको फोकस्ड रहने में मदद करेंगे और एक्सरसाइज के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाएंगे। सही हेडबैंड या बालों का बैंड चुनकर आप अपने जिम अनुभव को और भी बेहतर बना सकती हैं।

जावेद जाफरी की मोहरे का ट्रेलर जारी, आज से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर होगी स्ट्रीम वेब सीरीज

भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता और कॉमेडियन जावेद जाफरी अपने 62वां जन्मदिन के खास मौके पर उनके प्रशंसकों को बड़ा तोहफा मिला है। दरअसल, जावेद ने अपनी आने वाली वेब सीरीज मोहरे का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।वेब सीरीज की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। आइए बताते हैं आप मोहरे को कहां और कब देख सकते हैं।

मोहरे का प्रीमियर 6 दिसंबर, 2024 से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, क्या आप तैयार हैं क्योंकि अब दरियावाड़ा जलेगा बदले की आग में। नीरज काबी, गायत्री भारद्वाज, आशिम गुलाटी, सुचित्रा पिल्लई, पुलकित मकोल, प्रदन्या मोटघरे, शैलेश दातार और अमित सिंह जैसे सितारे भी इस वेब सीरीज का हिस्सा हैं। ट्रेलर में तमाम सितारों की झलक दिख रही है। मोहरे के निर्देशन की कमान मुकुल अभ्यंकर ने संभाली है।

सर्दियों में महिलाएं इन 5 हाई नेक स्वेटर को बनाएं अपने स्टाइल का हिस्सा

सर्दियों के दौरान ऐसे कपड़े पहनने चाहिए, जो ठंडी हवाओं के प्रतिकूल प्रभाव से स्वास्थ्य को बचा सके। हालांकि, इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि आप ज्यादा लेयरिंग करें। इससे अच्छा है कि इस मौसम के लिए आरामदायक, गरम और स्टाइलिश परिधान का चयन किया जाए। आइए आज हम आपको 5 ऐसे हाई नेक स्वेटर के बारे में बताते हैं, जिन्हें महिलाएं अपने फैशन का हिस्सा बना सकती हैं।

काउल हाई नेक स्वेटर

ये स्वेटर टाइट-फिटेड नेकलाइन्स से बिल्कुल अलग होते हैं, लेकिन बेहद नरम फैब्रिक से बने होते है, जो सर्दी में आपको गर्म रखने के साथ-साथ आरामदायक महसूस करवाने में मदद कर सकते हैं। आप इसको बटन-डाउन शर्ट के ऊपर पहनकर सकती हैं। इसके अलावा ज्यादा कैजुअल लुक के लिए स्वेटर को टाइट-फिटेड जींस या मिनी स्कर्ट के साथ पहनें, फिर इस लुक को सफेद स्नीकर्स पहनकर पूरा करें।

ओवरसाइज्ड हाई नेक

ये हाई नेक स्वेटर आजकल काफी ज्यादा चलन में है क्योंकि इसे पहनकर ठंड में गरम महसूस तो होगा ही, लेकिन इसके साथ ही आप सुंदर, स्मार्ट और स्टाइलिश भी दिखेंगी। आप इसे कैजुअल और प्रोफेशनल दोनों तरह के परिधानों के साथ पहन सकती हैं। आप इसे जींस के साथ पहनें और ज्यादा स्टाइलिश लुक के लिए हूप इयररिंग्स का इस्तेमाल करें। यहां जानिए स्वेटर की चमक को लंबे समय तक बरकरार रखने के तरीके।

ट्यूनिक हाई नेक

ट्यूनिक हाई नेक एक क्लासिक चयन हो सकता है। ये आमतौर पर महीन ऊन या रोल-ओवर नेकलाइन के साथ बॉडी-फिटेड वाले स्वेटर होते हैं। ये महिलाओं के लिए बेहद हल्के, गरम और आरामदायक होते हैं। इस हाई नेक के ऊपर से आप खुला ब्लेजर, कोट या जैकेट को पहनती हैं तो काफी सुंदर लगेंगी। बता दें कि सर्दियों में आराम से घूमने के लिए यह सबसे अच्छा और आरामदायक लुक हो सकता है।

जिपर हाई नेक

इन हाई नेक स्वेटर में छाती से लेकर गर्दन तक चेन लगी होती है, जो इसे एक स्टाइलिश लुक देती है। इस स्वेटर का लुक बेहतरीन होता है, लेकिन दिखने में ज्यादा टाइट-फिटेड और क्लासी लगता है। आप इसे कैजुअल, कॉलेज या फिर ऑफिस में पहनने वाले कपड़ों के साथ पहन सकती हैं। इससे आपको एक आकर्षक लुक मिलेगा। इस स्वेटर के साथ आप ढीली जींस या कार्गो पैंट और एंकल-लेंथ बूट्स के साथ पहनें।

फनल हाई नेक स्वेटर

ये स्वेटर एक क्लासिक हाई नेक स्वेटर से बिल्कुल अलग होता है। यह गर्दन के लगभग आधे रास्ते पर खत्म होता है और यह बेहद नरम और हल्के होते हैं। फुल स्लीव की फनल हाई नेक को चुनते समय रंग का बेहद ख्याल रखें। एक प्लेन काले रंग के फनल नेक स्वेटर को आप प्लाजो, जींस या अन्य बॉटम वियर के साथ स्टाइल करके खूबसूरत लुक पा सकती हैं।

नई तकनीक से कार्यशैली में बदलाव के द्वारा ट्रैकमैन का बेहतर हो रहा है जीवन : रेल मंत्री

नईदिल्ली(एजेंसी)। रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली और रोड-सह-रेल निरीक्षण वाहन (आरसीआरआईवी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) नवीन गुलाटी, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा तथा रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे व आरडीएसओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। यह अत्याधुनिक प्रणाली भारतीय रेलवे की ट्रैक सुरक्षा और संचालन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने इस मौके पर पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा, कि RCRIV ने हमारे ट्रैकमैन, गैंगमैन, कीमैन और पीडब्ल्यूआई (स्थायी पथ निरीक्षक) के कार्य करने के तरीके में बड़े बदलाव किए हैं। इन बदलावों से न केवल सुरक्षा में सुधार होगा बल्कि उनके कामकाज और जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। आने वाले पांच वर्षों में सभी रेल ज़ोन में इस नई प्रणाली को लागू करने का लक्ष्य है। यह विशेष रूप से ट्रैक निरीक्षण और रखरखाव के आधुनिकीकरण में रेलवे विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगा।

यह तकनीकी प्रणाली न केवल ट्रैक की निगरानी और माप करने में मदद करेगी, बल्कि रेलवे संचालन को भी और अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाएगी। उन्होंने बताया कि यह प्रणाली प्रत्येक रेलवे जोन में उपलब्ध कराई जाएगी। रेलवे का लक्ष्य है कि हर चार महीने में होने वाले इस रखरखाव को अब हर दो महीने में किया जाए। यह नवीन टेक्नोलॉजी भारतीय रेल से हर रोज यात्रा करनेवाले लगभग 2.3 करोड़ यात्रियों की सुरक्षा में बढ़ोतरी करेगी।

आईटीएमएस को ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम के साथ जोड़ा गया

आईटीएमएस को भारतीय रेलवे के ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम के साथ जोड़ा गया है, ताकि प्रत्येक ट्रैक रिकॉर्डिंग रन की रिपोर्ट टीएमएस पोर्टल पर उपलब्ध हो। 2022-23 और 2023-24 के दौरान, भारतीय रेलवे पर 03 आईटीएमएस शुरू किए गए हैं। यह अधिकारियों के लिए बेहद सहायक है क्योंकि यह खराब जगहों की तत्काल ट्रैक देखभाल के लिए रियल टाइम अलर्ट एसएमएस और ईमेल प्रदान करता है। आईटीएमएस मुख्य रूप से निम्नलिखित सब-सिस्टम्स से बना है।

इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम एक उच्च-प्रदर्शन प्रणाली है, जो ट्रैक की निगरानी, माप और सुरक्षा के लिए नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करती है। ITMS ट्रैक रिकॉर्डिंग कार (टीआरसी) पर स्थापित है, जो 20 से 200 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रैक का विश्लेषण कर सकता है। इसमें लेजर सेंसर, हाई-स्पीड कैमरे, GPS और अन्य सेंसर शामिल होते हैं, जो ट्रैक की स्थिति और संभावित दोषों का पता लगाते हैं।

प्रणाली में एक्सेलेरोमीटर का उपयोग किया जाता है, जो कोच और एक्सल बॉक्स पर त्वरण को मापता है। यह सिस्टम सवारी की गुणवत्ता की निगरानी करता है और ऐसे स्थानों की पहचान करता है जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

उल्लंघन माप प्रणाली: यह प्रणाली LiDAR तकनीक का उपयोग करती है, जिससे किसी भी ट्रैक उल्लंघन या बाधा का तुरंत पता लगाया जा सकता है। यह रेलवे ट्रैक के आसपास की सुरक्षा को और भी मजबूत बनाता है।

ट्रैक जियोमेट्री मापन प्रणाली: यह बिना संपर्क वाले लेजर सेंसर और हाई-स्पीड कैमरों की मदद से जड़त्वीय सिद्धांत का उपयोग करके गेज, कैंट, क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर संरेखण जैसे ट्रैक जियोमेट्री पैरामीटर्स का मापन करता है। समग्र रेल प्रोफ़ाइल और वियर मापन प्रणाली- यह बिना संपर्क वाले लेजर सेंसर और हाई-स्पीड कैमरों की मदद से पूरे रेल प्रोफाइल और वियर का मापन करके रेल की स्थिति की निगरानी करता है।

रोड सह रेल निरीक्षण वाहन टाटा योद्धा मॉडल से रूपांतरित करके बनाया गया है, जिसमे आगे 250 द्धद्ध के दो लोहे के पहिए और पीछे 750 द्धद्ध के दो लोहे के पहिए जुड़े है, जो कि इस गाड़ी को सड़क के साथ-साथ रेलवे ट्रैक पर चलने में सक्षम बनाता है । इसमें 3 कैमरे है जो 15 दिन के बैकअप के साथ ट्रैक का रेकॉर्डिंग करेंगे।

व्यंजन बनाने की रूचि ने पायल को बनाया आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। आज लड़कियां किसी से भी कम नहीं हैं, वे हर क्षेत्र में लड़कों से कंधा से कंधा मिलाकर चल रहीं हैं, चाहे वह शिक्षा हो, खेल, कृषि अथवा रोजगार या स्वरोजगार। यह साबित कर दिखाया है धमतरी जिले की कानीडबरी निवासी 25 साल की पायल नेताम ने। वैसे तो पायल की रूचि बचपन से ही नये-नये व्यंजन बनाने की रही और लगातार अलग-अलग व्यंजन बनाकर घर में अपनी मां का हाथ बंटातीं रहीं, किन्तु उन्होंने पढ़ाई भी जारी रखी।

पायल स्नातक की पढ़ाई की हैं और आज बेकरी व्यवसाय से अच्छी-खासी आमदनी हासिल कर रहीं हैं। साथ ही दो लोगों को रोजगार भी दीं हैं, जो कि उनके काम में हाथ बंटाते हैं। पिता विजयचंद नेताम पेशे से किसान हैं और मां श्रीमती किरण बाई किराना दुकान संचालित करती हैं। पायल की ग्राम कोलियारी में बेकरी की दुकान है, जहां वह केक तैयार कर आसपास के गांवों में ऑर्डर अनुसार भेजतीं हैं। इससे उन्हें प्रतिदिन दो से तीन हजार रूपये की शुद्ध आय हो जाती है।

पायल बतातीं हैं कि जिला उद्योग केन्द्र द्वारा आयोजित शिविर में उन्हें प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की जानकारी मिली, जिसमें 35 प्रतिशत अनुदान की भी पात्रता है। योजना की जानकारी मिलते ही पायल ने उद्योग विभाग से सम्पर्क कर सभी औपचारिकताएं पूरी कीं और उन्हें चार लाख रूपये का ऋ्रण स्वीकृत हो गया, जिससे उन्होंने बेकरी की आधुनिक मशीनें खरीदीं। दो साल पहले शुरू किए इस बेकरी से पायल की अच्छी आमदनी तो हो ही रही है, साथ ही उन्होंने वे ऋ्रण की राशि भी समय पर अदा कर रहीं हैं।

महतारी वंदन योजना से संवरी सलाम के जीवन में आया खुशहाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शुरू की गई महतारी वंदन योजना ने महिलाओं की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें समाज में समानता का अधिकार देना है। इस योजना का लाभ ग्राम बिंजली के निवासी संवरी सलाम के जीवन में महतारी वंदन योजना से महत्वपूर्ण बदलाव हो रहा है।

संवरी सलाम जिनके पति दयाराम सलाम भी इस परिवार के सदस्य हैं, महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। संवरी और उनके परिवार को इस योजना के तहत हर महीने 1000 रूपये की वित्तीय सहायता मिलती है। यह राशि उनके परिवार के लिए बहुत मददगार साबित हो रही है, खासकर आर्थिक तंगी के समय संवरी सलाम बताती हैं कि वह मजदूरी और खेती करके अपने घर का खर्चा चलाती थी, लेकिन महतारी वंदन योजना से मिली यह राशि अब उनके लिए घर चलाने में काफी मददगार साबित हो रही है। संवरी ने बताया कि इस योजना ने हमारी ज़िन्दगी में एक नई उम्मीद जगा दी है। अब हम अपनी रोज़मर्रा की जरूरतें बिना किसी तनाव के पूरी कर पा रहे हैं। संवरी बताती है कि महतारी वंदन की 10वीं किस्त की राशि उनके खाते में हास्तातंरित हो गया है।

संवरी सलाम और उनके परिवार ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने इस योजना को लागू किया। इससे न केवल हमारी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है, बल्कि हमें आत्मनिर्भर बनने का भी मौका मिला है। महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश के महिलाओं को मासिक 1000 रूपये की राशि दी जाती है, जिससे वे अपने परिवार के भरण-पोषण के साथ-साथ अन्य सामाजिक जिम्मेदारियां भी निभा सकती हैं। इस योजना ने छत्तीसगढ़ की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और उनकी सामाजिक स्थिति को भी बेहतर किया है। संवरी सलाम जैसे कई परिवारों के लिए यह योजना एक वरदान साबित हो रहा है। महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को मिलने वाली सहायता से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है, और वे अब समाज में अपनी भूमिका को बेहतर तरीके से निभा रही हैं। यह योजना महिलाओं के लिए सशक्तिकरण का एक रास्ता है, जो उन्हें समाज में सम्मान और स्वाभिमान से जीने का अवसर प्रदान करती है। इस योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य की महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्राप्त हो रही है।

सुगमता से हो रही जिले में धान खरीदी

धान के दाम बढ़ने के साथ उपार्जन केन्द्रों के व्यवस्थाओं से किसानों में खुशी की लहर, अब तक 14479.4 मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। जिले के किसानों का उत्साह अब दोगुनी हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने धान के दाम में बढ़ोतरी के साथ ही किसानों केन्द्र में धान बेचने के लिए अच्छी व्यवस्था दी है। सभी धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उपार्जन केन्द्रों के व्यवस्थाओं से किसानों में खुशी की लहर है।

फरसाबहार विकासखंड के कोकियाखार की किसान धर्मश्वरी सरजाल ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हम सभी किसानों के लिए धान खरीदी केन्द्रों में सब चीजों की अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई है जिसके लिए उन्होंनें बहुत-बहुत धन्यवाद। आगे भी ऐसे ही सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने बताया कि कोकियाखार उपार्जन केन्द्र में वे अपना 150 बोरी धान बेचने लाए हैं। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से खरीदी किया जा रहा है। केन्द्र से समय पर टोकन और बारदाना मिल गया था।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशन में जशपुर जिले में धान की खरीदी की सिलसिला निरंतर जारी है। 4 नवम्बर से अब तक 2482 किसानों से 14479.40 मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। धान खरीदी के एवज में इन किसानों को भुगतान करने के लिए विपणन संघ मुख्यालय द्वारा अपैक्स बैंक को लिकिंग व्यवस्था के तहत 25 लाख 76 हजार 62 हजार 560 रूपए का भुगतान किया गया है। इसके लिए आज दिनांक तक कुल 15919.28 मीट्रिक टन टोकन जारी किए गए थे। आगामी 02 दिवस तक की खरीदी के लिए कुल 1297 किसानो हेतु 8324.36 मीट्रिक टन का टोकन जारी किया गया हैं।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस खरीफवर्ष के लिए 51169 किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इसमें 6289 नए किसान शामिल है। इस वर्ष 46 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 3,36,459.00 मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक जारी रहेगा।

हर गरीब का पक्का आवास का सपना हो रहा पूरा

महासमुंद जिले में पीएम आवास योजना अंतर्गत 69,905 गरीब परिवार स्वाभिमान और संतुष्टि के साथ कर रहे निवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हर गरीब को रहने के लिए पक्का छत मिले इस उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच से ग्रामीण इलाकों में टूटे खपरैल और धसकती दीवारों के बीच जीवन यापन कर रहे गरीब परिवारों के लिए एक नए सपने से कम नहीं है।

इस मिशन को पूरा करने के लिए राज्य सरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में कदम से कदम मिलाकर चल रही है। चयनित पात्र हितग्राहियों के पक्के घर का सपना पूरा करने के लिए तीव्र गति से कार्य कर रही है।

महासमुंद जिले में इसका बेहतर क्रियान्वयन देखने को मिल रहा है। जिंदगी भर कच्चे मकान में रहने की दु:ख से उबरते हुए अब गरीब परिवारों को भी पक्का छत नसीब हो रहा है। ग्राम बेमचा के श्रीमती शिवबती ध्रुव के नाम पर प्रधानमंत्री आवास योजना स्वीकृत हुआ है। पहली किस्त की राशि 40 हजार रुपए मिल चुका है। अब उनके सपनों की घर का बुनियाद पड़ गई है और जल्दी ही उनका घर बनकर तैयार हो जाएगा। अपने घर और पति के सपनों को प्रधानमंत्री आवास योजना से पूरा होने वाला है। उन्होंने बताया कि शादी के समय वे कच्चे खपरैल के घर में आई थी तबसे आज लगभग 25 वर्षों बाद उनका सपना पूरा हो रहा है। ऐसे ही हजारों हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ महासमुंद जिले में मिल रहा है।

इस योजना अंतर्गत वर्ष 2016-17 से 2022-23 के दौरान जिले में 73,266 आवास स्वीकृत हुए हैं। इनमें से अब तक 69,905 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 3,361 आवास निर्माणाधीन हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजनांतर्गत महासमुंद जिले में 583 विशेष पिछड़ी जनजाति के हितग्राहियों का सर्वे एवं पंजीयन पूरा हो चुका है।

सभी हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किया गया, जिनमें से 3 दिसम्बर तक 195 आवास पूर्ण हो चुके हैं तथा 388 आवास प्रगतिरत हैं। जिसके तहत 579 हितग्राहियों के खाते में प्रथम किस्त की राशि जमा किया गया है। इसी तरह 504 हितग्राहियों को द्वितीय किस्त, 353 हितग्राहियों को तृतीय किस्त एवं 112 हितग्राहियों को चतुर्थ किस्त की राशि जारी किया जा चुका है।

उपार्जन केन्द्रों में माइक्रो एटीएम की सुविधा से प्रसन्न है किसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की सुगम व्यवस्था से किसानों को न सिर्फ धान बेचना आसान हो गया है बल्कि किसानों के लिए धान बेचने के बाद पैसा निकालना भी आसान हो गया है। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों के चलते राज्य के किसानों को प्रति क्विंटल धान का सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ देश का एक मात्र ऐसा राज्य है जहां किसानों को एक क्विंटल धान का सर्वाधिक 3100 रूपए मूल्य प्राप्त हो रहा है। धान बेचने के तुरंत बाद उपार्जन केन्द्र एवं समिति से माइक्रो एटीएम के माध्यम से पैसा निकाल पाने की सुविधा से उनकी खुशियां दोगुनी हो गयी है। धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा कई इंतजाम किए गए है, इन्हीं सुविधाओं में माइक्रो एटीएम की सुविधा भी शामिल है।

माइक्रो एटीएम के जरिए किसान खरीदी केन्द्र में ही 10 हजार तक नगद राशि निकाल सकते हैं। इस सुविधा से किसान प्रसन्न है। चिल्हाटी के श्री राकेश कुर्रे ने मोपका धान खरीदी केन्द्र में 62.80 क्विंटल धान बेचा और केन्द्र में ही माइक्रो एटीएम के जरिए 1 हजार रूपए नगद निकाला।

उन्होंने बताया कि यह सुविधा किसानों की तत्कालिक जरूरत को पूरा कर रही है। अब किसानों को एटीएम अथवा बैंक का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। वह खरीदी केन्द्र के माइक्रो एटीएम से पैसा निकालकर धान परिवहन के लिए किराए पर लाए गए मेटाडोर, ट्रेक्टर, छोटा हाथी का भाड़ा और हमालों की मजदूरी तुरंत दे सकते हैं।

जुनवानी बना धमतरी विकासखण्ड का 92 वां हर घर जल ग्राम

धमतरी। धमतरी विकासखण्ड का ग्राम पंचायत जुनवानी इस विकासखण्ड का 92 वां हर घर जल ग्राम बन गया है। बीते दिनों ग्राम पंचायत भवन जुनवानी में ग्राम सभा का आयोजन कर हर घर जल की घोषणा की गयी। इस दौरान सरपंच श्री चौथ राम साहू ने बताया कि उनके गांव में जल जीवन मिशन के तहत लगाए गए नलों से हर घर में नियमित रूप से जल मिल रहा है। उन्होंने बताया कि योजना के संचालन, संधारण हेतु ग्राम में जल गुणवत्ता के लिए 5 महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल परीक्षण का प्रशिक्षण दिया गया है। इसके साथ ही ग्राम जल स्वच्छता समिति द्वारा गांव में जल संपत्तियों के रख-रखाव का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जलकर हेतु 75 रुपये की राशि निर्धारित की गई है। इसी शुल्क से बिजली का बिल, पम्प आपरेटर, इलेक्ट्रिशियन, प्लम्बर को वेतन प्रदान किया जायेगा। ग्राम सभा में बताया गया कि ग्राम पंचायत जुनवानी में जल जीवन मिशन योजना के तहत सभी कार्य पूर्ण हो चुके हैं, ग्राम के सभी घरों में नल जल कनेक्शन हो गया है, ग्राम के कोई घर घरेलू नल कनेक्शन से छूटे नहीं हैं, सभी नलों में पर्याप्त मात्रा में शुद्ध जल प्रदाय हो रहा है, ग्राम सभी शासकीय एवं सार्वजनिक संस्थाओं स्कूल, आंगनबाड़ी, सामुदायिक शौचालय एवं सार्वजनिक भवनों में नल कनेक्शन की व्यवस्था की गई है, पाईपलाईन बिछाने के लिए हुए क्षतिग्रस्त सड़क का मरम्मत हो चुका है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

यातायात पुलिस ने शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले 4 वाहनों पर कार्यवाही

दुर्ग। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक अजय खेस एवं यातायात टीम द्वारा शहर के रेवाडीह अटल विहार चौक पेण्ड्री राजनांदगांव में शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले 04 वाहन चालकों के विरूद्ध धारा 185 मो.व्ही.एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया। जिसमें वाहन क्र. सीजी 08 एएन 7609 मो.सा. का चालक किरण साहू निवासी सुंदरा, वाहन क्र. सीजी 08 जेड ई 0587 मो.सा. का चालक गुन्नूराम निवासी तुमड़ीबोड़, वाहन क्र. सीजी 08 ए डी 4919 मो.सा. का चालक हीरामन साहू निवासी आरगांव एवं वाहन क्र. सीजी 08 ए जेड 1278 मो.सा. का चालक रिकेश कुमार वर्मा निवासी भर्रीटोला को वाहन चेकिंग के दौरान रोककर चेक करने से शराब सेवन करना प्रतीत होने पर ब्रीथ एनालाईजर मशीन से चेक करने पर शराब सेवन कर वाहन चलाते पाये जाने से मोटरयान अधिनियम की धारा 185 एम.व्ही.एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया जिसे माननीय न्यायालय पेश किया जायेगा। वाहन जप्त कर सुरक्षार्थ यातायात कार्यालय में रखा गया है। इसी प्रकार नो पार्किंग वाहनों में 20 कार्यवाही, दुपहिया वाहन में तीन सवारी में 07 कार्यवाही, दुपहिया वाहन में बिना हेलमेट पर 05 एवं अन्य धाराओं में 20 वाहनों पर कार्यवाही कर कुल 52 वाहन चालकों से 16600/- रूपये जुर्माना वसूल किया गया। सभी वाहन चालकों से अपील है कि शराब सेवन कर वाहन न चलायें, चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाये, दुपहिया वाहन में तीन सवारी एवं बिना हेलमेट लगाये न चलें।

चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

धमतरी। धमतरी पुलिस थाना कुरूद पेट्रोलिंग पर रवाना हुआ था तभी मुखबिर से सुचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति जो की कन्हारपुरी रोड नहर पुल के पास कुरूद के पास अपने हाथ में एक धारदार चाकू को लहराते हुये आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा कि सुचना पर तत्काल कुरूद पुलिस टीम मुखबिर के बताये स्थान कन्हारपुरी रोड नहर पुल के पास कुरूद के पास पहुंचकर देखे तो एक व्यक्ति धारदार चाकु को अपने हाथ लेकर आम जगह पर लहरा रहा था जिसे देखकर आने जाने वाले लोगो में भय व्याप्त था। उक्त व्यक्ति को गवाहों के समक्ष घेराबंदी कर पकड़ा गया जिससे नाम पता पुछने पर उसने अपना नाम भूपेन्द्र भारती पिता घनश्याम भारती उम्र 19 वर्ष सा0 शांति नगर कुरूद का रहने वाला बताया। आरोपी के कृत्य अपराध धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के पर्याप्त साक्ष्य सबुत पाये जाने से गवाहों के समक्ष विधिवत गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध थाना कुरूद में धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर,आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

सशख्त ऐप से मिली पहली सफलता

दुर्ग में चोरी का वाहन बरामद, एक दिन पहले सीएम साय ने किया था लॉन्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सशख्त ऐप से दुर्ग पुलिस को पहली सफलता मिल गई है। एक दिन पहले सीएम साय द्वारा साइबर भवन के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान लॉन्च किए गए ऐप की मदद से दुर्ग पुलिस ने चोरी हुई मोटरसाइकिल बरामद की है। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर वाहन चेकिंग के दौरान उक्त वाहन को बरामद किया गया। उक्त वाहन को नंबर बदलकर उपयोग किया जा रहा था। लगभग 350 वाहनों की जांच के बाद उक्त वाहन की पहचान की गई।

बता दें 4 दिसंबर को पुलिस मुख्यालय, नया रायपुर स्थित साइबर भवन के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'सशक्त ऐप लॉन्च किया था। जिला दुर्ग पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान उपयोग में लाया जा रहा था, एप के उपयोग के प्रथम दिवस पर ही चोरी हुए वाहन को बरामद करने में सफलता प्राप्त हुई है। दुर्ग पुलिस ने रेलवे स्टेशन परिसर में चेकिंग अभियान के दौरान चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की।

यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग के निर्देश पर गठित टीम द्वारा की गई। इस टीम का नेतृत्व उपनिरीक्षक डॉ. संकल्प राय, जो सशक्त एप्लिकेशन के नोडल अधिकारी हैं और थाना मोहन नगर के प्रभारी उप निरीक्षक पारस सिंह ठाकुर ने किया। टीम में एएसआई मोतीलाल महिलवार, कांस्टेबल केशव साहू, तारकेश्वर साहू, शकील खान और एमन चंद्राकर शामिल थे।

सशक्त एप्लिकेशन की मदद से सफलता

चेकिंग के दौरान लगभग 350 वाहनों की जांच की गई। सशक्त एप्लिकेशन के माध्यम से इन वाहनों के इंजन नंबर, चेसिस नंबर और पंजीयन नंबर मिलान किए गए। इस प्रक्रिया के दौरान एक मोटरसाइकिल पैशन प्रो (ष्टत्र07ड्ड4328) को चोरी का पाया गया। वाहन का नंबर प्लेट बदला हुआ था, लेकिन वाहन पर अंकित चेसिस नंबर के माध्यम से इसे पहचान लिया गया। यह मोटरसाइकिल जेवरा सिरसा, जिला दुर्ग निवासी थी। वाहन 12 जून 2024 को जिला अस्पताल के पास से चोरी हो गई थी और इसकी रिपोर्ट 16 जून 2024 को दर्ज की गई थी।

आईजी राम गर्ग के विशेष प्रयास से विकसित हुआ है सशक्त एप

इस एप को आईजी दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग के विशेष प्रयास से विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों को चोरी हुए वाहनों का डेटा एक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराना है। अब छत्तीसगढ़ राज्य के प्रत्येक जिले में पुलिस जवान इस एप का उपयोग कर चोरी हुए वाहनों की जानकारी एक क्लिक पर प्राप्त कर सकेंगे। दुर्ग पुलिस की सतर्कता और सशक्त एप्लिकेशन की उपयोगिता से चोरी की वाहन की बरामदगी संभव हो पाई है। इस कार्रवाई से यह साबित हुआ कि आधुनिक तकनीक और कुशल पुलिसिंग का समन्वय अपराध नियंत्रण में कितना प्रभावी हो सकता है। पुलिस महानिरीक्षक महोदय ने टीम की प्रशंसा करते हुए इसे भविष्य के अभियानों के लिए प्रेरणा बताया। सशक्त एप्लिकेशन के सफल उपयोग ने न केवल वाहन की बरामदगी में मदद की बल्कि पुलिसिंग में तकनीकी नवाचार की उपयोगिता को भी प्रमाणित किया।

छत्तीसगढ़ में घर पर सो रही वृद्धा पर तेंदुए का हमला शरीर नोचकर ले ली जान, ग्रामीणों में दहशत

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में घर पर सो रही वृद्धा पर तेंदुए ने हमला कर दिया। घटना बुधवार रात की बताई जा रही है। तेंदुए ने न सिर्फ हमला किया बल्कि वृद्धा के शरीर को नोच दिया और घर से 2 किमी दूर जंगल में ले जाकर फेंक दिया। गुरुवार को ग्रामीणों ने वृद्धा की क्षत विक्षत लाश देखी और वन विभाग को सूचना दी। वहीं घटना को लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

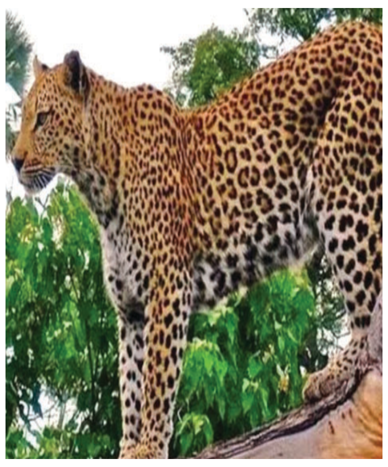

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मडेली में वृद्ध महिला की लाश जंगल में पड़ी हुई थी। जंगल के पास बने घर में सुखबती कमार (65) नाम की महिला रहती थी। उसके घर पर कुंडी नहीं थी और दरवाजा भी खुला रहता था। बुजुर्ग महिला का एक भतीजा है जो कभी कभी आता था। इस बीच बुधवार आधीरात को तेंदुए ने महिला को अपना शिकार बनाया। तेंदुए ने महिला को बुरी तरह नोच दिया और जबड़े में दबा कर घर से दो किमी दूर जंगल में लेजाकर छोड़ दिया।

सुबह ग्रामीणों ने देखा तो वन विभाग को सूचना दी। महिला के शरीर का एक हिस्सा गायब मिला और फेफड़े का हिस्सा भी गायब था। आशंका है कि वृद्धा का शिकार करने के बाद तेंदुआ शरीर के उन हिस्सों को खा गया। इस घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में तेंदुए को लेकर दहशत है। वहीं आस-पास गांव में वन विभाग ने कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराई गई है। वन विभाग ने ग्रामीणों को अलर्ट रहने कहा है।

35 सोशल मीडिया अकाउंट बंद : रील बनाने वाले बदमाशों की पुलिस बना रही 'रील'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सोशल मीडिया में जब से रील बनाने का प्रचलन शुरू हुआ है, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर हर वर्ग के लोग रील बनाकर अपने आपको प्रेजेंट कर रहे हैं। इसमें बदमाश भी पीछे नहीं हैं। बदमाश लोगों के बीच अपना दबदबा कायम रखने पिस्टल से लेकर हर तरह के हथियार के साथ रील बनाकर इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल मीडिया में रील पोस्ट कर रहे हैं।

एसएसपी डॉ. संतोष सिंह के निर्देश पर पुलिस सोशल मीडिया में ऊल जुलूल पोस्ट करने वाले बदमाशों की पहचान कर कार्रवाई कर रही है। पुलिस के मुताबिक सोशल मीडिया के माध्यम से खौफ पैदा करने की कोशिश करने के आरोप में अब तक दो दर्जन से ज्यादा बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। एसएसपी के अनुसार साइबर सेल की विशेष शाखा सोशल मीडिया में खुद को डॉन तथा बादशाह साबित करने वाले बदमाशों पर निगरानी रखने का काम कर रही है। बदमाशों की उनकी आईपी एड्रेस के माध्यम से पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अफसरों के मुताबिक सोशल मीडिया में गलत तरीके से रील बनाकर पोस्ट करने वाले बदमाशों के अब तक 35 से ज्यादा अकाउंट को ब्लाक कराया गया है। इनमें कई नाबालिग बदमाश हैं, जिनका पुलिस ने सोशल मीडिया अकाउंट ब्लाक किया है।

दो दर्जन बदमाशों ने अकाउंट बंद किया

रील बनाने वाले साथियों के हश्र देख सोशल मीडिया में एक्टिव रहने वाले बदमाश सहम गए हैं। कार्रवाई से बचने दो दर्जन से ज्यादा बदमाशों द्वारा अपने सोशल अकाउंट बंद किए जाने की जानकारी पुलिस को मिली है। जिन बदमाशों ने सोशल मीडिया में ऊल जुलूल पोस्ट किया है, ऐसे बदमाशों का पुलिस उनके नाई से स्टाइलिस्ट बाल कटवाकर अपने सोशल मीडिया में पोस्ट करने का काम कर रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से बदमाश सहमे हुए हैं।

बदमाशों का पुलिस बना रही रील

उलजुलूल पोस्ट करने वाले अब तक जिन बदमाशों की पहचान कर कार्रवाई की गई है, उन बदमाशों को सबक सिखाने पुलिस उनकी ही रील में मिक्स रील कर उन्हें सबक सिखाने का काम कर रही है। साथ ही बदमाश की सोशल मीडिया में गलत तरह से रील बनाने पर माफी मांगने का वीडियो पुलिस अपने सोशल मीडिया अकाउंट में पोस्ट कर रही है।

लूट के प्रयास में वृद्धा की गोली मारकर हत्या, फरार आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में लूट के प्रयास में बुजुर्ग महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पिछले माह हुई इस घटना में जशपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने घटना में शामिल में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी बितुल राम को थाना दुलदुला क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने केरल में बैठकर अपराधिक षडयंत्र रचा। इस मामले में दो आरोपी रातु राम एवं शीतुल राम चौहान पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। वहीं एक आरोपी अब भी फरार है।

बता दें 5 नवंबर 2024 को संचू कुमार गुप्ता अपने क्योस्क बैंक के अंदर बैठ कर रुपया पैसा का लेन-देन कर रहा था। इस दौरान 11.00 बजे 2 व्यक्ति इनकी किराना दुकान के अंदर घुस कर इसके क्योस्क सेंटर पहुंचे और पैसे मांगने लगे। इस दौरान एक व्यक्ति ने कट्टा निकाल कर संचू कुमार के सिर पर मारा, जिससे यह चिल्लाने लगा। तभी बीच बचाव में आयी उसकी दादी उर्मिला बाई को लूट करने आये आरोपी द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए।

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में तत्काल आरोपियों की पतासाजी करते हुए अपराध में शामिल दो आरोपी रातु राम (29) निवासी बटईकेला लालगोडा थाना कांसाबेल तथा शितुल राम चौहान (28) निवासी कोरकोटोली सिरिमकेला थाना दुलदुला को दूसरे दिन ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में सामने आया था कि लूट की घटना को अंजाम देने की योजना रवि उरांव, रातु राम, शितुल राम एवं बितुल राम के द्वारा फोन के माध्यम से किया। जिसमें रातु राम, बितुल राम एवं रवि उरांव अलग अलग प्रकरणों में जेल में निरुद्ध रहने दौरान एक दूसरे से परिचित थे तथा बितुल का भाई सितुल राम को इस योजना में बाद में सम्मिलित किया गया था। शितुल राम द्वारा लूट की घटना को अंजाम देने अपना मोटर सायकल रवि उरांव एवं रातु राम को दिया गया था पुलिस द्वारा घटना घटित होने के चंद घण्टो में ही घटना के एक मुख्य आरोपी तथा एक सहयोगी आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली थी, तथा शेष दो आरोपी रवि उरांव एवं बितुल राम के पता साजी एवं गिरफ्तारी हेतु जशपुर पुलिस लगातार प्रयासरत थी। इसी दौरान 4 दिसंबर 2024 को पता चला कि बितुल राम अपने घर कोरकोटोली सिरिमकेला थाना दुलदुला आया हुआ है।

307 क्विंटल अवैध धान जप्त

राजनांदगांव । कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार जिले में अन्य राज्यों से आने वाले अवैध धान तथा कोचियों, बिचौलियों द्वारा धान की अवैध खरीदी एवं बिक्री पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। अन्य राज्यों से आने वाले अवैध धान की रोकथाम हेतु जिले के तीन सीमावर्ती स्थानों वनोपज जांच चौकी कल्लूबंजारी, वनोपज जांच चौकी बोरतलाब एवं साल्हेकला अछोली क्षेत्र, अंतर्राज्यीय सीमा जांच चौकी बागनदी पर चेकपोस्ट बनाया गया है, जिसमें पुलिस, वन विभाग, मंडी एवं नगर सेना के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा 24 घंटे निगरानी रखे जाने के निर्देश दिये गये हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई-3 के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202412103900003

विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन:-2024-2025

चरोदा प.ह.न. 00009 [(हे.)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार राजकुमार तिवारी

अनावेदक पक्षकार -छत्तीसगढ़ शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है की आवेदक-राजकुमार तिवारी पिता स्व.जे.डी. तिवारी निवासी-पंचशील नगर चरोदा तह. भिलाई-3 जिला-दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा स्वयं के पुत्र आयुष तिवारी के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ई.डब्लू एस.) प्रमाण पत्र बनवाने बाबत आवेदन इस न्यायालय में आवेदक द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रकरण दर्ज।

अत: उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उजर दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर लिखित रूप में नियत दिनांक 12/12/2024 को/तक इस न्यायालय में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/12/2024 को जारी किया जाता है।

चन्द्रशेखर कंवर
नायब तहसीलदार
भिलाई - 3, जिला दुर्ग (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
कार्यालय - बालोद वनमंडल बालोद

काष्ठगार डिपो बालोद का ई-ऑक्सन का संक्षिप्त संशोधित सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि बालोद वनमण्डल के शासकीय काष्ठागार एवं विभिन्न डिपो में संग्रहित ईमारती, जलाऊ काष्ठ एवं बांस का ई-ऑक्शन व्दारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/वन काष्ठगार डिपो, बालोद से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम तिथि - 13.12.2024

समय - प्रातः 09.00 बजे से

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

क्र.	प्रजाति	नयी काष्ठ			गत् अविक्रित काष्ठ			कुल योग		
		घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	सागौन	3.357	67	0	87.815	249	484	91.172	316	481
2	बीजा	0.000	0	0	24.608	0	0	24.608	0	0
3	साजा	0.000	0	0	1.025	0	0	1.025	0	0
4	हल्दू	2.539	0	0	0.000	0	0	2.539	0	0
5.	कसही	0.000	0	0	3.585	0	0	3.585	0	0
6	कर्रा	0.000	5	0	0.000	0	0	0.000	5	0
7	अन्य	1.840	1	0	0.122	0	0	1.962	1	0
	योग :-	7.736	73	0	117.155	249	484	124.891	322	484
8	जलाऊ चट्टा	38 चट्टा			3.5 चट्टा			41.5 चट्टा		
9	व्यापारिक बांस	-			26925 नग=60.678 नो.टन.			26925 नग=60.678 नो.टन.		

टीप :- 1. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है।
4. ई-आक्सन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 40 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

वनमंडलाधिकारी
बालोद वन मंडल बालोद (छ.ग.)

जी- 242504338/6

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

धान खरीदी पर रखी जा रही है कड़ी निगरानी, किसानों को दी जा रही टोकन आवेदन के लिए दोहरी सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए किसानों को टोकन जारी करने से लेकर बारदाना की व्यवस्था, धान का उपार्जन एवं भुगतान, केन्द्रों में खरीदे गए धान का उठाव पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। किसानों को धान विक्रय हेतु टोकन आवेदन करने के लिए समिति माड्यूल एवं टोकन तुंहर हाथ एप की सुविधा दी गई है। टोकन आवेदन करने में दिक्कत होने पर किसान समिति में ऑपरेटर के माध्यम से टोकन आवेदन कर सकते हैं। केन्द्रों में धान उपार्जन के लिए 72,194 गठान बारदाने उपलब्ध है। विशेष परिस्थिति में किसानों के बारदानों का उपयोग और 25 रूपया प्रति नग बारदाना भुगतान के लिए अपेक्स बैंक को 11 करोड़ 23 लाख रूपए भी दे दिए गए हैं।

गौरतलब है कि राज्य में 14 नवंबर से किसानों से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जा रहा है। 5 दिसम्बर तक 2739 उपार्जन केन्द्रों में कुल 29.22 लाख मेट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। प्रदेश में कुल पंजीकृत 27.78 लाख कृषकों में से अब तक 6 लाख 15 हजार किसानों ने समर्थन मूल्य में धान का विक्रय किया है।

उपार्जित धान की राशि संबंधित कृषकों के खाते में नियमित रूप से अंतरित की जा रही है। विपणन संघ द्वारा 6727 करोड़ 93 लाख रूपए अपेक्स बैंक को उपार्जित धान के समर्थन मूल्य के रूप में अंतरित की जा चुकी है। किसानों की सुविधा की दृष्टिकोण से उपार्जन केन्द्रों में अपेक्स बैंक द्वारा माइक्रो एटीएम की व्यवस्था भी की गई है।

समिति में आपरेटर के माध्यम से टोकन आवेदन की भी सुविधा

उपार्जन केन्द्रों में धान विक्रय हेतु किसानों द्वारा टोकन आवेदन समिति माड्यूल एवं टोकन तुहर हाथ एप्प के माध्यम से किये जाने की सुविधा प्रदाय की गई है। कुल टोकन आवेदन का 40 प्रतिशत समिति माड्यूल एवं 60 प्रतिशत एप्प के माध्यम से आरक्षित किया गया है। जिन कृषकों को एप्प के माध्यम से टोकन आवेदन करने में कठिनाई हो रही हो, वे समिति में आपरेटर के माध्यम से टोकन आवेदन करा सकते हैं। किसानों द्वारा आवेदन के दौरान आवश्यक प्रविष्टि करने के उपरांत आवेदन की तारीख से लेकर 15 जनवरी 2025 तक रिक्त स्लॉट में धान विक्रय हेतु दिवस का चयन किया जा सकता है। लघु एवं सीमांत कृषकों को 02 टोकन एवं दीर्घ कृषकों 03 टोकन की सुविधा प्रदाय की गई है।

किसान बारदाना के लिए प्रति नग 25 रुपए

भारत सरकार की नवीन बारदाना नीति अनुसार धान का उपार्जन नये एवं पुराने बारदानों में 50 अनुपात 50 में किया जाना है। प्रदेश में अनुमानित धान उपार्जन 160 लाख टन के आधार पर सभी उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त बारदानों की व्यवस्था कर ली गई है। उपार्जन केन्द्रों में पुराने बारदानें के रूप में मिलर बारदाना, पीडीएस बारदाना, समिति द्वारा उपलब्ध कराये गये बारदानों का उपयोग किया जा रहा है। विशेष परिस्थिति में किसान बारदाना का भी उपयोग किया गया है, जिसका 25 रू. नग के मान से किसानों को भुगतान हेतु राशि 11 करोड़ 23 लाख रूपए अपेक्स बैंक को दी जा चुकी है।

धान खरीदी केन्द्रों में 72,194 गठान बारदाना उपलब्ध

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए कुल 4 लाख गठान नये बारदानों की आवश्यकता है, जिसके विरूद्ध 3.51 लाख नये बारदानें प्रदेश को प्राप्त हो गए है, शेष बारदानें आगामी 15 से 20 दिवसों में प्राप्त हो जायेगें। अभी तक धान उपार्जन में पीडीएस बारदाने 32392 गठान, मिलर बारदानें 23078 गठान, किसान बारदानें 10176 गठान उपयोग किये जा चुके है। उपार्जन केन्द्रों में पीडीएस बारदाने 18985 गठान, मिलर बारदानें 54209 गठान उपयोग हेतु उपलब्ध है। वर्तमान में प्रदेश के किसी भी उपार्जन केन्द्र में बारदानों की कमी नहीं है।

कस्टम मिलिंग पंजीयन के लिए 865 आवेदन

खरीफविपणन वर्ष 2024-25 में उपार्जित किए जा रहे धान के उठाव एवं मिलिंग का काम भी समांतर रूप से किया जा रहा है। जिन उपार्जन केन्द्रों में बफ़र से अधिक धान भण्डारित होने की स्थिति निर्मित हो रही है, वहाँ परिवहन आदेश जारी कर धान का परिवहन निकटतम सग्रहण केन्द्र में किया जा रहा है। अब तक 2.5 लाख टन धान का परिवहन आदेश जारी किया जा चुका है। मिलरों से पंजीयन हेतु 865 आवेदन प्राप्त हुए है। 252 राईस मिलरों द्वारा कस्टम मिलिंग हेतु पंजीयन कराया जा चुका है। मिलरों को 1296 टन का डीओ जारी किया जा चुका है।

अब तक 33,054 क्विंटल धान जब्त

प्रदेश में धान के अवैध परिवहन एवं अफ़रा-तफ़री पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। प्रदेश में अवैध धान के 3305 प्रकरण बनाये गये है एवं 33,054 क्विंटल धान जब्त किया गया है। उपार्जन केन्द्रों में रिसाईकलिंग रोके जाने हेतु नोडल अधिकारी द्वारा भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। सीमावर्ती जिलों में 273 चेक पोस्ट की स्थापना धान के अवैध परिहन के मामलों पर कार्यवाही की जा रही है।

शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालयः बस्तर, कोलकाता और फिल्म सिटी मुम्बई के आर्टिस्ट म्यूजियम को दे रहे वास्तविक स्वरूप

नवा रायपुर में 10 एकड़ में बन रहा है संग्रहालय, छत्तीसगढ़ के जनजातीय जीवन शैलियों और संस्कारों से रूबरू होंगे लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में निर्माणाधीन शहीद वीरनारायण सिंह संग्रहालय परिसर में छत्तीसगढ़ राज्य में ब्रिटिशकाल में हुए जनजातीय विद्रोह की झांकी को वास्तविक स्वरूप में तैयार किया जा रहा है। ब्रिटिशकाल के दौर में अपनी अस्मिता और संस्कृति को बचाने के लिए हुए जनजातीय विद्रोह के दौरान छत्तीसगढ़ के अनेक वीर सपूतों ने अपने प्राण न्यौछावर किए। झांकी के माध्यम से जनजातीय विद्रोह को वास्तविक स्वरूप में प्रदर्शित करने में बस्तर, कोलकाता और मुम्बई फिल्म सिटी के आर्टिस्ट जुटे हैं।

आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव बोरा ने शहीद वीरनारायण सिंह संग्रहालय का दौरा कर वहां चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। श्री बोरा ने जनजातीय विद्रोह की झांकी तैयार करने में जुटे आर्टिस्टों से मुलाकात कर उनकी हौसला अफ्जाई की। श्री बोरा ने कहा कि जनजातीय विद्रोह के वास्तविक स्वरूप को दर्शाने के लिए तैयार की जा रही यह झांकी जनजातीय समुदाय के गौरवशाली इतिहास का स्मरण कराएगी।

45 करोड़ की लागत से बन रहा म्यूजियम

नया रायपुर में पुरखौती मुक्तांगन के समीप 45 करोड़ की लागत से लगभग 10 एकड़ भूमि पर शहीद वीरनारायण सिंह म्यूजियम स्थापित किया जा रहा है। इस संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के जनजातीय जीवन शैली एक अलग म्यूजियम तैयार किया जा रहा है, जो जनजातीय कला-संस्कृति और रीति-रिवाजों से रूबरू कराएगा। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने म्यूजियम के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के संचालक श्री पी.एस. एल्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित ऐंजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

झांकियों का निर्माण चुनौती पूर्ण

म्यूजियम निर्माण में लगे क्यूरेटर प्रोबल घोष ने बताया कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के वीर गाथाओं पर आधारित इस झांकी का निर्माण काफी चुनौती पूर्ण कार्य है। इस म्यूजियम में आदिवासियों की ग्रामीण जन-जीवन, उनकी स्वतंत्रता फिर उनकी वीर गाथा की वास्तविक कहानी क्लासिकल लुक में दिखेगी। इस म्यूजियम को कोलकाता के 14 विशेष मूर्तिकार, बस्तर के 23 आर्टिस्ट तथा फिल्म सिटी मुम्बई के कहानी के कम्पोजिसन के साथ मूर्तरूप देने मे लगे है। मूर्तियों की फिनिशिंग का कार्य भी समानांतर रूप से किया जा रहा है। म्यूजियम तैयार होने के बाद यह संग्रहालय न केवल छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के स्वतंत्रता काल में दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद दिलाएगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली आदिवासी परंपरा से भी आमजन को रूबरू कराएगा।

छत्तीसगढ़ में हुआ राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण

81 हजार से अधिक विद्यार्थियों की दक्षताओं का हुआ मूल्यांकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर केन्द्र शासन द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छत्तीसगढ़ में भी लागू किया जा चुका है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत देश भर में एक साथ राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण 2024 का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण 2024 में कक्षा तीसरी, छठवीं और नवमी की 3409 स्कूल से 81 हजार 179 विद्यार्थियों की दक्षताओं का समग्र मूल्यांकन किया गया।

इस परख सर्वेक्षण का उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ-साथ शिक्षकों, स्कूलों और पूरी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता का आकलन करना है। यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों के अनुरूप छात्रों की बुनियादी और मध्य स्तर की क्षमताओं का आकलन करता है। प्राप्त परिणामों के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर राज्यों की शैक्षणिक गुणवत्ता की रैंकिंग की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में किए गए सर्वेक्षण में कक्षा तीसरी के 1199 स्कूलों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें कुल 24 हजार 379 विद्यार्थी शामिल हुए। इसी प्रकार कक्षा छठवीं के 1065 स्कूल से 25 हजार 665 विद्यार्थी और कक्षा नवमी के 1145 स्कूल से 31 हजार 135 विद्यार्थी शामिल हुए। इस प्रकार कुल 3409 स्कूलों से कुल 81 हजार 179 विद्यार्थी परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में शामिल हुए।

गौरतलब है कि इस बार परख (PARAKH- प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा एवं समग्र विकास के लिए ज्ञान का विश्लेषण) नाम दिया गया। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य बच्चों के समग्र शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत छात्रों के मूल्यांकन से संबंधित मापदंड स्थापित करना है। इस बार सर्वेक्षण कक्षा तीसरी, छठवीं और नवमी के छात्रों पर केंद्रित रहा, जो उनके पिछले कक्षाओं में अर्जित दक्षताओं पर आधारित था। परीक्षा में प्रश्न ओएमआर शीट के माध्यम से बहुविकल्पीय प्रारूप में रखा गया था।

नारी शक्ति का हुआ सम्मान महतारी वंदन ने बढ़ाया मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक स्वावलंबन और सशक्तिकरण को बढ़ावा के उद्देश्य से विष्णु देव सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना से हितग्राही महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। महिलाएं इस मदद की राशि से अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही अतिरिक्त आय उपार्जन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने लगी है।

बिंदिया प्रजापति को जब से महतारी वंदन योजना के तहत हर महिने एक-एक हजार रूपए मिल रहे है, उनके चेहरे में खुशी की चमक देखते ही बन रही है। मरवाही विकासखण्ड के ग्राम धरहर की श्रीमती प्रजापति महतारी वंदन की राशि का उपयोग अपने ईंट व्यवसाय के कारोबार को बढ़ाने में कर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर बिंदिया बाई को पहले ईंट बनाने के लिए मिट्टी, पकाने के लिए भूंसी-लकड़ी आदि के लिए उधारी लेना पड़ता था, अब उन्हें दूसरों के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता। बलौदा बाजार जिला के वनांचल ग्राम बल्दा कछार की निवासी श्रीमती ममता परंपरागत रूप से बांस शिल्प की कला कृति बनाकर जीवकोपार्जन करती है। पहले वह आर्थिक तंगी के कारण बांस शिल्प बनाने के लिए बांस नहीं खरीद पाती थी पर अब उन्हें महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह 1 हजार रूपये मिलते है, जिसका उपयोग वह बांस खरीदने में करती है। वह झेंझरी, सुपा, पर्रा, टुकनी सहित अन्य सजावटी वस्तुएं अधिक संख्या में बना पाती है, जिसे बेचकर उन्हें अच्छी खासी आमदनी मिल रही है, जिसमें बचत कर वो अपनी बेटियों को शिक्षित कर रही हैं। कोरिया जिले के ग्राम जमड़ी की निवासी श्रीमती सुनीता साहू के जीवन में महतारी वंदन योजना ने बदलाव लाया। तीन बच्चों की मां श्रीमती साहू ने योजना से मिली राशि को बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए निवेश करना शुरू कर दिया है।

बस्तर जिले के बकावंड ब्लॉक मुख्यालय की निवासी लाभार्थी श्रीमती चंद्रमणि और उनके परिवार के पास कृषि भूमि नहीं है पति-पत्नी दोनों मजदूरी कर 6 सदस्यीय परिवार का किसी तरह भरण-पोषण करते हैं। राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना अब उनके परिवार के लिए सहारा साबित हो रही है। जिससे चंद्रमणि को एक हजार रूपए तथा उसकी सास रुकनी को महतारी वंदन योजना से 500 रुपए एवं वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत 500 रूपए मिल रही है, जो इस गरीब परिवार के लिए बहुत ज्यादा तो नहीं लेकिन उपयोगी साबित हो रही है।

इसी तरह कई महिलाएं हैं जो मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महतारी वंदन योजना की बदौलत आर्थिक रूप से सशक्त बन रही है। सरकार का यह कदम उनके जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है। गौरतलब है कि उक्त योजना का शुभारंभ 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। राज्य की लगभग 70 लाख हितग्राही महिलाओं को हर माह एक हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध और शक्तिशाली बनाती है - राज्यपाल

राजभवन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया 5 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजभवन में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के तहत आज छत्तीसगढ़ सहित 05 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध और शक्तिशाली बनाती है।

राजभवन में राज्यपाल श्री डेका के मुख्य आतिथ्य में भारत के राज्यों क्रमशः छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक-दूसरे राज्यों का स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसी कड़ी में राजभवन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले इन राज्यों के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है। यह कार्यक्रम हमारे देश के विभिन्न राज्यों में बसे निवासियों को एक सूत्र में पिरोने का अद्भुत प्रयास है, जिससे भारत की एकता और अखंडता और अधिक मजबूत होगी।

श्री डेका ने कहा कि हर राज्य का स्थापना दिवस उस राज्य के इतिहास में और विकास की यात्रा का महत्वपूर्ण दिन होता है। राज्य की समृद्धि और विकास का गवाह यह दिन, हमें अपने राज्य की स्थापना के मूल उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का रास्ता दिखाता है।

श्री डेका ने सभी राज्यों की विशिष्टताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का प्राकृतिक वातावरण और भौगोलिक स्थिति अदभुत है। यहां पर्यटन की बहुत संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि असम और छत्तीसगढ़ राज्य के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया जायेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ के चावल की भी प्रशंसा की। आजादी की लड़ाई में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए, वहां के वीर सेनानियों को याद किया। पंजाब राज्य के लोगों की दान शीलता का जिक्र किया। पंजाब का इतिहास बलिदानों से भरा हुआ जिस पर हर देशवासी को गर्व है। पंजाब और हरियाणा राज्य ने हरित क्रांति के माध्यम से देश को एक नई ऊर्जा दी।

श्री डेका ने कहा कि इन सभी राज्यों ने भारत के विकास में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया है। चाहे वह कृषि का क्षेत्र हो, उद्योग, कला खेलकूद, शिक्षा या पर्यटन का क्षेत्र हो, सभी क्षेत्रों में, इन राज्यों का योगदान सराहनीय है। हम सब को मिलकर अपने राज्यों को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है बल्कि सांस्कृतिक समृद्धि, सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे का भी ध्यान रखना है।

कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ का लोक-नृत्य सुआ, सरहुल नृत्य, गेड़ी नृत्य, नाचा, पंजाब का भांगडा, गिद्धा, हरियाणा का घूमर तथा मध्यप्रदेश की जनजातियों के राई नृत्य ने अतिथियों का मन मोह लिया। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। पंजाब के प्रतिनिधियों ने डेका को सरोपा भेंट किया।

छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि के रूप में पद्मश्री अनुज शर्मा, मध्यप्रदेश के आकाश दीप गुप्ता, पंजाब के प्रतिनिधि दलजीत चावला, हरियाणा के प्रतिनिधि अमित अग्रवाल को राज्यपाल ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव यशंवत कुमार, विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय, संयुक्त सचिव हिना अनिमेष नेताम एवं इन सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के छत्तीसगढ़ में निवासरत, युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950